Postal Registration
No. MNW/318/2020-2022

हिंदी मासिक पत्रिका ISSN No. : 2582-4694 MAHHIN/2015/67048

मुस्कान

मुंबई : नवम्बर, 2020

...एक एहसास

● वर्ष : 6
● अंक : 9
● मूल्य : 30/-

सोच का मिलना है जरूरी

Add.: Shri Samarth CHS. Ltd., Plot 809, D-3, Sector 8, Charkop, Kandivali (W), Mumbai - 400067.
Published on 10th of every month Posting date : 11 & 12 of each month at Kandivali West PO, Mumbai - 67.

VISIT…

दीपावली के पावन पर्व की

हार्दिक शुभकामनाएँ

दीपावली का प्रकाश आप सभी के जीवन को सुख-समृद्धि के आलोक से आलौकित करे। समस्त संसार कोरोना के प्रकोप से मुक्त होकर फिर से प्रगति की कदम बढ़ाए। हम सब एक दूसरे का सहयोग कर अंधकार को मिटाने की शक्ति रखें।

धर्म, जाति सारी संकीर्णताओं को त्यागकर मानवता की ओर अग्रसर हों। दीपावली का हर दीप यही संदेश देता है कि प्रकाश में कोई भेदभाव नहीं, ज्योति सब ओर फैलाती है। हमें रोग, अज्ञान, गरीबी, भय मुक्त होकर दीपावली का पर्व मनाना है।

सुख, समृद्धि से परिपूर्ण हो देश हमारा।
स्वस्थ, मंगलमय हो दीपोत्सव का उजियारा।।

महेश बंसीधर अग्रवाल

उद्योगपति व समाजसेवी

दीपावली के पावन पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएँ

J. B. Jain

Rupam

Manufacturers & Exporters

Garments • Textiles • Home Furnishings

Estb. 1968

Chairman
Rupam

Ex. President
Jito Administrative Training Foundation (JATF)

Chairman
Shri Vardhaman Mahavir Kendra - Mt. Abu & Lonavala

Trustee
Shraman Aarogya

Past President 2012-13
Rotary Club of Mumbai North End

FCP Member
Jito International Trade Organisation

Ex. Chairman
Rotary Club of Mumbai North End- Charity Trust

Member
Porwal Jain Foundation

106 High Tech, Caves Road, Jogeshwari East,
Behind Bank of Baroda, Opp. Deepak Jewellers, Mumbai - 400060.

Tel. : +91 22 4203 7700. M. +91 98200 35035 • Email : jbjain@rupam.com

www.rupam.com

GOVERNMENT RECOGNISED EXPORT HOUSE

With Best Compliments From

Santosh Kumar Bansal
9819772001

Pankajj Bansal
9820080908

Punit Bansal
9820061124

KELVIN SILK MILLS

FUSSION IMPORT EXPORT PVT. LTD.

384-K, Jitendra Mansion, Dhabolkarwadi,
Kalbadevi, Mumbai - 400002.

संतोष कुमार बंसल
उद्योगपति व समाजसेवी

दीपावली

वक्त सबको मिलता है जिन्दगी बदलने के लिए,
पर जिन्दगी दोबारा नहीं मिलती वक्त बदलने के लिए।

दीपावली के पावन पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएँ

हिंदी मासिक पत्रिका
मुस्कान एक एहसास
नवम्बर, 2020

• वर्ष : 6 • अंक : 9 • पृष्ठ : 32 • मूल्य : 30 रूपए

संपादक
लालबहादुर यादव
मो. 9833232327
Email : muskanekehsas@gmail.com

विज्ञापन के लिए संपर्क करें।
मो. 9833232327
ई-मेल : muskanekehsas@gmail.com

स्वामी, प्रकाशक लालबहादुर यादव द्वारा
ममता को.आप.हा.सो.लि. प्लॉट नं. 827, सी/9, सेक्टर 8, चारकोप, कांदिवली (प), मुंबई - 400067 से प्रकाशित एवं संजय टी. गडा, सेलेक्शन स्कैन डी प्रिंट गणेश सोसायटी, डिसिल्वा बाग, असल्फा, घाटकोपर, मुंबई - 400084 से मुद्रित

पत्र व्यवहार का पता:
श्री समर्थ को.आप.हा.सो.लि. प्लॉट नं. 809, डी/3, सेक्टर 8, चारकोप, कांदिवली (प), मुंबई - 400067

7 किसानों के लिए एनडीए ने किया बहुत कुछ

9 चालाक बाज

10 कब मिटेगी भेदभाव की रेखा

11 रीति-रिवाजों तथा सावधानी के साथ मनेगी दीपावली

12 सोच का मिलना है जरुरी

15 जहाँ प्रेम है, वहीं लक्ष्मी

19 कोई आज़ादी को ढूँढ कर लाओ

21 दीपोत्सव की परंपरा

फिल्म जगत

28 तारे जमीन पर को होस्ट करेंगी सुगंधा मिश्रा

29 सोनू सूद से मदद मांगने मीलों दूर से पहुंचे लोग

30 डिजिटल डेब्यू करने जा रहीं सोनाक्षी सिन्हा

कैसी होगी दिवाली

दिवाली ही एक ऐसा त्योहार है जिसका इंतजार सबको रहता है। ऑफिस व फैक्टरी में काम करनेवालों को बोनस मिलता है, जिससे उनके बच्चों के सपने सजते हैं। स्कूलों, कॉलेजों व शैक्षणिक संस्थाओं में दिवाली की छुट्टी होती है। दुकानदारों की भरपूर कमाई से बहुत से लोगों की जरुरतें पूरी होती हैं। जीएसटी की आमदनी से देश की योजनाओं को बल मिलता है। मतलब सब ओर एक नया जोश, एक नई खुशी और एक नई उमंग देखने को मिलती है।

पर इस बार क्या होगा? हमारे सारे त्योहार फीके जा रहे हैं। भारत तो तीज और त्योहारों का देश माना जाता है। इस वाइरस के कारण देश की स्थिति को बदल कर रख दिया है। अपने भी अनजान से लगने लगे हैं।

प्रधानमंत्री जी का बोध वाक्य "जब तक दवाई नहीं तब तक ढिलाई नहीं" पर विश्वास करके पूरा देश बैठा है। वह घड़ी कब आएगी जब हम फिर से तीज-त्योहारों का मजा ले पाएंगे। मैदान में खेलते हुए बच्चे, बाजारों में माताओं का शोरगुल, स्कूलों और कॉलेजों के नवनिहालों व युवकों की मजेदार भाषा हमें कब सुनने को मिलेगी। शाम के समय पार्कों में बुजुर्गों का एकत्रित होकर लाफ्टर व उनके जमाने की कहानियों को सुनकर लोगों के चेहरे पर मुस्कान कब आएगी? मंदिरों में धक्का मुक्की करके अपने अपने आराध्य का एक स्पर्श कब हमें नशीब होगा।

प्रश्न बहुत हैं पर उत्तर सिर्फ एक - समय सबकुछ ठीक कर देगा। लेकिन मन में एक प्रश्न उठता है, जब देश इतनी परेशानियों से गुजर रहा है, सब जगह मंदी छाई हुई है तो बिहार व अन्य खाली पड़ी सीटों पर चुनाव करवाकर देश के कोष को क्यों बर्वाद किया जा रहा है। क्या उसपर लॉकडाउन का असर नहीं है? जहाँ चुनाव है "वहाँ जब तक दवाई नहीं तब तक ढिलाई नहीं "को कोई नहीं मान रहा है।

इस लॉक डाउन का असर सबसे ज्यादा शिक्षा संस्थानों पर देखने को मिल रहा है। कहते हैं शिक्षा से ही समाज में सुधार होता है। परंतु देश के उच्च स्थान पर बैठे लोगों को इसकी कोई चिंता नहीं है, गैरसरकारी शिक्षा संस्थानों में कार्यरत लोगों के बारे में कोई नहीं सोचता। न ही उनके लिए सरकार की तरफ से कोई पैकेज ही जारी होता है। आखिर कोई तो उनकी दिवाली के बारे में सोचे। वह लाखों , करोड़ों बच्चों को आत्मनिर्भर बना देता है, लेकिन वह स्वयं आत्मनिर्भर कैसे बने?

खैर दीपावली हमारे जीवन में हमेशा ही खुशियाँ लाई है, इसी को मानकर हम सब देशवासी बड़ी ही सादगी के साथ इस वर्ष यह त्योहार मनाएंगे और आशा रहेगी कि बहुत ही जल्द सब ठीक होगा तथा फिर से भारत माँ की इस पावन धरती पर सभी मिलजुलकर हर क्षण का आनंद लेंगे।

आप सभी को दीपावली के
पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ।

एल.एस. यादव 'लल्लन'
संपादक

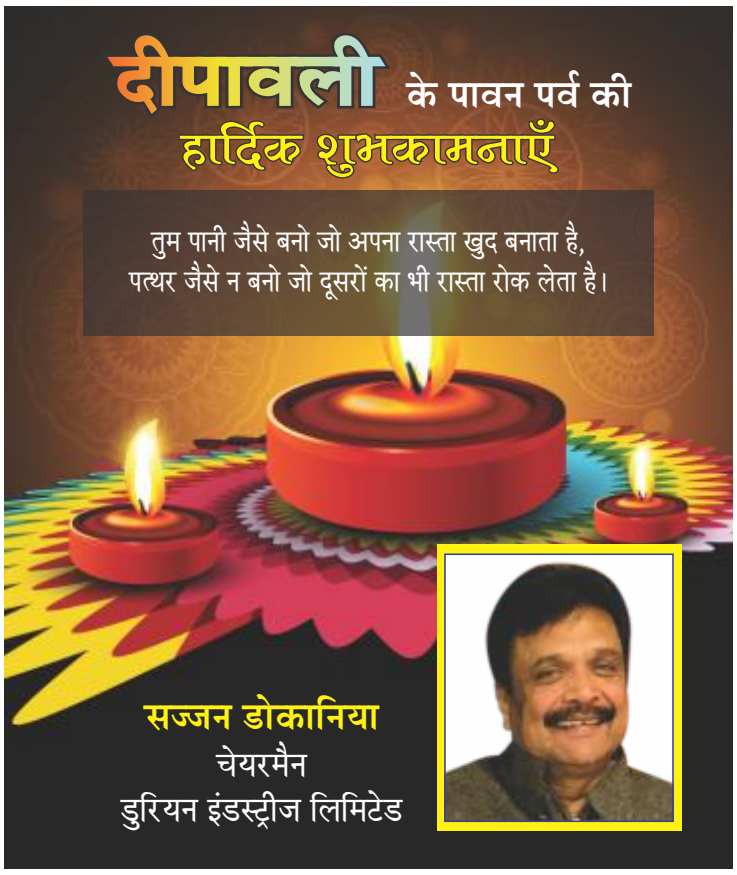

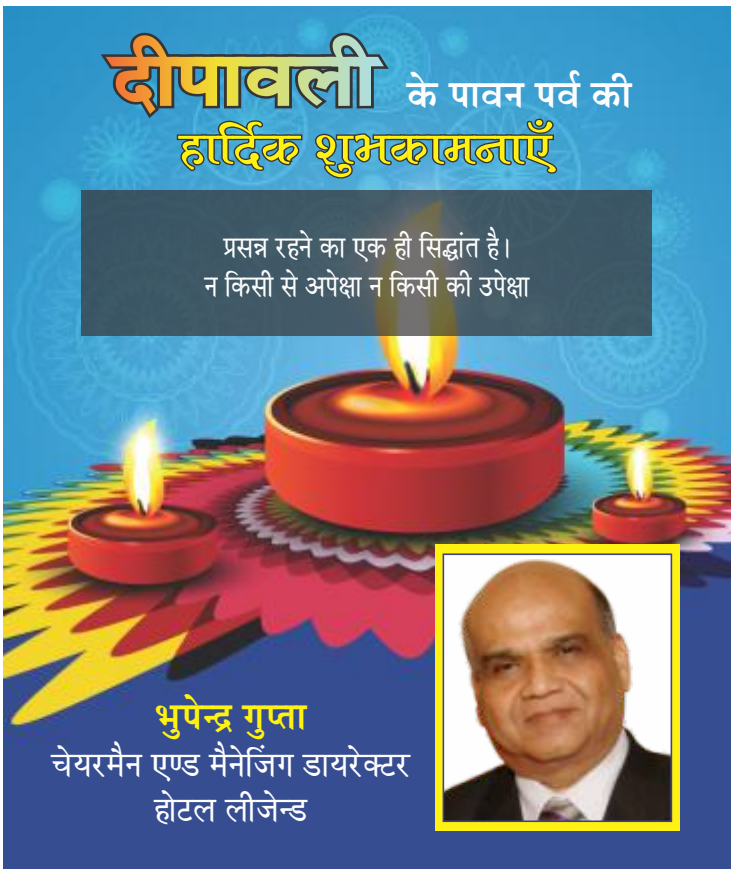

किसानों के लिए एनडीए ने जितना किया, उतना किसी और ने नहीं किया : पीएम

बिहार विधानसभा चुनाव के चुनावप्रचार के जोर के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक के बाद एक कई ट्वीट कर कहा है कि एनडीए ने किसानों के लिए जितना किया और कर रहा है, उतना किसी ने कभी नहीं किया. साथ ही कहा कि बिहार के हर जिले में ऐसे उत्पाद हैं जिनकी अपनी पहचान है. हर बिहारी हमेशा से लोकल के लिए वोकल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट कर कहा कि बिहार के हर जिले में ऐसे उत्पाद हैं जिनकी अपनी पहचान है. खाने-पीने की चीजें, फल-सब्जियां, पेंटिंग-हैंडीक्राफ्ट जैसी कई चीजें बिहार की पहचान से जुड़ी हैं। हर बिहारी हमेशा से लोकल के लिए वोकल रहा है। एनडीए इस पहचान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अपने एक अन्य ट्वीट में दावा करते हुए कहा कि एनडीए ने किसानों के लिए जितना किया और कर रहा है, उतना किसी ने कभी नहीं किया. मेगा फूड पार्क, आधुनिक कोल्ड चेन, एग्रो-प्रोसेसिंग क्लस्टर्स बिहार को आधुनिक कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर देंगे. कृषि उत्पाद संघों की बढ़ती संख्या छोटे किसानों की ताकत बढ़ाएगी, उन्हें बड़े बाजारों से जोड़ेगी।

राजस्थान सरकार में पटाखे बेचन पर रोक

अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली राजस्थान सरकार ने राज्य में पटाखों की बिक्री और इस्तेमाल करने वालों पर आर्थिक जुर्माना लगाने का फैसला किया है। राज्य सरकार ने फैसला किया है कि किसी भी तरह की आतिशबाजी (पटाखा) बेचने वाले किसी भी दुकानदार को १० हजार रुपये के जुर्माने से दंडित किया जाएगा। गहलोत सरकार ने यह भी फैसला किया है कि जो भी व्यक्ति किसी भी तरह की पटाखे का इस्तेमाल करता है या उन्हें जलाने की अनुमति देता है, उसे २००० रुपये के जुर्माने से दंडित किया जाएगा। कोरोना संक्रमित रोगियों और जनता के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए एक उपाय के रूप में राज्य में पटाखों की बिक्री और इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने के सरकार के फैसले के बाद आर्थिक जुर्माने के बारे में अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। इस फैसले को लेकर राज्य के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा, राज्य सरकार ने आतिशबाजी के कारण निकलने वाले जहरीले धुएं से कोरोना संक्रमित रोगियों और जनता के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए पटाखों की बिक्री और उन्हें जलाने पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है।

महबूबा के बयान पर भड़की शिवसेना

शिवसेना

शिवसेना ने जम्मू-कश्मीर को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती के बयान को लेकर निशाना साधा है। शिवसेना ने कहा कि अगर संविधान को चुनौती देने के लिए कोई चीन की मदद लेने की बात करता है तो उसे जेल भेजा जाना चाहिए। महबूबा मुफ्ती के अनुच्छेद ३७० के बयान पर शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा कि चाहे फारूक अब्दुल्ला हों या महबूबा मुफ्ती, अगर कोई भारत के संविधान को चुनौती देने के लिए चीन की मदद लेने की बात करता है, तो उन्हें गिरफ्तार कर १० साल के लिए अंडमान भेजा जाना चाहिए। वे कैसे आजाद घूम रहे हैं?

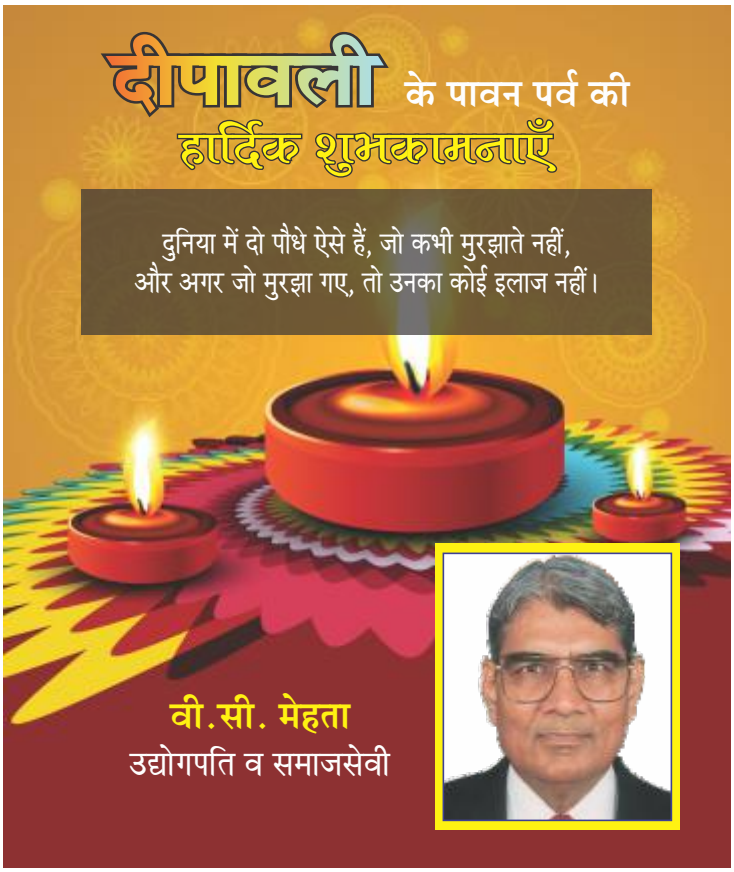

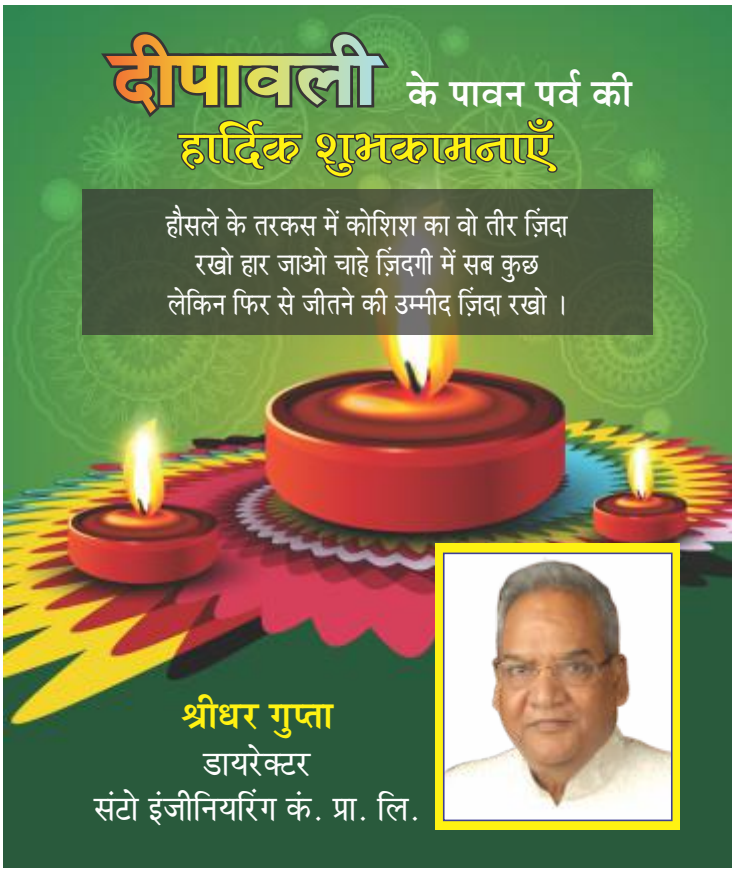

आइटम वाले बयान पर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ को राहत

सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ से जुड़े चुनाव आयोग के आदेश पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने कहा है कि पृथम दृष्टया चुनाव आयोग के पास इसका अधिकार नहीं है। आयोग ने आइटम वाली टिप्पणी के मामले में कमलनाथ के खिलाफ कार्रवाई की थी। कमलनाथ ने मध्य प्रदेश उपचुनाव में प्रचार के दौरान एक महिला प्रत्याशी इमरती देवीपर आइटम जैसे शब्द का इस्तेमाल कर टिप्पणी की थी। कमलनाथ की टिप्पणी को बीजेपी ने बड़ा मुद्दा बनाया। ये मामला काफी गरमाया। जिसके बाद इस मामले में कमलनाथ पर कार्रवाई करते हुए चुनाव आयोग ने उन्हें कांग्रेस के स्टार प्रचारकों की लिस्ट से बाहर कर दिया था। आयोग के आदेश को कमलनाथ ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। याचिका में कहा गयाकि चुनाव आयोग ने उनके वैधानिक अधिकारों का उल्लंघन किया है। इस याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई और कोर्ट ने आयोग के आदेश पर रोक लगा दी। चीफ जस्टिस ने कहा कि वो अब इस बाबत सुनवाई करेंगे कि क्या चुनाव आयोग के पास ये अधिकार हैं कि वो किसी पार्टी के स्टार प्रचारक का दर्जा उस व्यक्ति से छीन ले।

लापरवाही पर एक्शन, सीएम योगी ने दो उपायुक्तों को किया निलंबित

सरकारी काम में उदासीनता और अनियमितता के आरोपों के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बहराइच और वाराणसी के उपायुक्त (स्वत: रोजगार) को निलंबित करने का आदेश दिया है। दोनों ही अधिकारियों के खिलाफ अब विभागीय जांच होगी। मुख्यमंत्री कार्यालय ने ट्वीट कर यह जानकारी दी। वर्तमान में उपायुक्त स्वत: रोजगार के पद पर बहराइच में पदस्थ सुरेन्द्र कुमार गुप्ता पर आरोप है कि जनपद हरदोई के ब्लॉक अहिरोरी में खंड विकास अधिकारी रहते हुए इन्होंने ग्राम खाड़ाखेड़ा के आंगनबाड़ी केन्द्र के स्थलीय विवाद होने पर न तो कोई कार्य कराया और न ही किसी फर्म से किसी भी निर्माण सामग्री की आपूर्ति ली। यही नहीं कोई मापाकंन भी नहीं कराया गया। बावजूद इसके भुगतान की कार्यवाही की गई। इस प्रकार सुरेन्द्र गुप्ता ने न केवल काम में लापरवाही की, बल्कि शासकीय धन का अनियमित तरीके से भुगतान भी किया। मुख्यमंत्री ने इसे घोर अनुशासनहीनता, लापरवाही और स्वेच्छाचारिता माना है। निलंबन का आदेश देते हुए मुख्यमंत्री ने आरोपी अधिकारी के खिलाफ अनुशासनिक कार्रवाई के भी आदेश दिए हैं। संयुक्त विकास आयुक्त, लखनऊ मण्डल को इस मामले में जांच अधिकारी बनाया गया है। निलंबन अवधि में निलंबित अधिकारी ग्राम्य विकास, लखनऊ से संबद्ध रहेंगे।

हरियाणा में चीनी पटाखों पर बैन

हरियाणा सरकार ने चीनी पटाखों पर पाबंदी लगा दी है। चीनी पटाखा पकड़े जाने को संज्ञेय अपराध माना जाएगा. जारी आदेश में कहा गया है कि राज्य सरकार ने प्रदेश में आयातित पटाखों को रखने और उनकी बिक्री करने को अवैध और दंडनीय घोषित किया है। दिवाली पर्व के मद्देनजर प्रदूषण को देखते हुए हरियाणा सरकार ने यह फैसला किया है। एक अनुमान के मुताबिक हरियाणा में चीनी पटाखों का बड़े स्तर पर कारोबार होता है. दिवाली, गुरुपर्व, वैवाहिक कार्यक्रमों सहित अन्य अवसरों पर आतिशबाजी के लिए लोग पटाखों का खूब प्रयोग करते हैं. पिछले कुछ वर्षों में देखा जाए तो बाजार में चीनी पटाखों की भरमार हो गई है। फिलहाल, हरियाणा सरकार नेपटाखों की बिक्री पर रोक लगाने का फैसला किया है। राज्य सरकार ने चीनी पटाखों की बिक्री और उसके भंडारण पर रोक लगा दीहै. राज्य सरकार ने सभी जिले के अफसरों को इस सिलसिले में अलर्ट रहने और आयातित पटाखों की बिक्री के खिलाफ फौरन एक्शन लेने के आदेश दिए हैं।

दीपावली के पावन पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएँ
पल पल से बनता है एहसास, एहसास से
बनता है विश्वास, विश्वास से बनते है रिश्ते,
और रिश्ते से बनता है कोई खास ।।
राजेश सुराणा
डायरेक्टर
सबनम एक्सपोर्ट प्रा. लिमिटेड

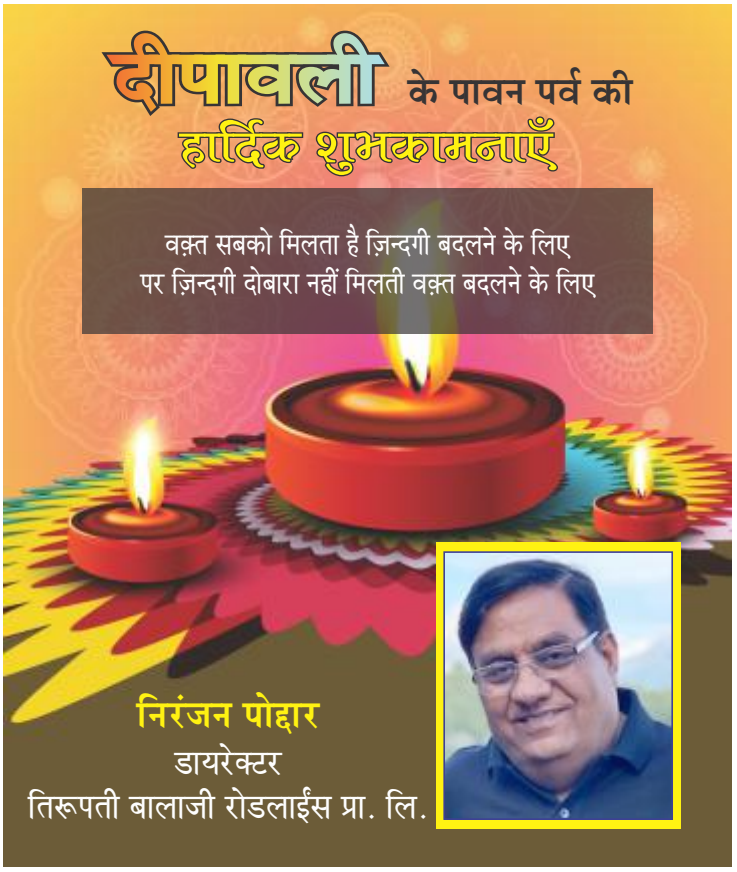

चालाक बाज

एक बार एक शिकारी जंगल में शिकार करने के लिए गया। बहुत प्रयास करने के बाद उसने जाल में एक बाज पकड़ लिया। शिकारी जब बाज को लेकर जाने लगा तब रास्ते में बाज ने शिकारी से कहा, "तुम मुझे लेकर क्यों जा रहे हो?" शिकारी बोला, मैं तुम्हे मारकर खाने के लिए ले जा रहा हूँ।

बाज ने सोचा कि अब तो मेरी मृत्यु निश्चित है। वह कुछ देर यूँही शांत रहा और फिर कुछ सोचकर बोला, "देखो, मुझे जितना जीवन जीना था मैंने जी लिया और अब मेरा मरना निश्चित है, लेकिन मरने से पहले मेरी एक आखिरी इच्छा है।"

बताओ अपनी इच्छा?, शिकारी ने उत्सुकता से पूछा।

बाज ने बताना शुरू किया-मरने से पहले मैं तुम्हें दो सीख देना चाहता हूँ, इसे तुम ध्यान से सुनना और सदा याद रखना।

पहली सीख तो यह कि किसी कि बातों का बिना प्रमाण, बिना सोचे-समझे विश्वास मत करना। और दूसरी ये कि यदि तुम्हारे साथ कुछ बुरा हो या तुम्हारे हाथ से कुछ छूट जाए तो उसके लिए कभी दुखी मत होना।

शिकारी ने बाज की बात सुनी और अपने रस्ते आगे बढ़ने लगा।

कुछ समय बाद बाज ने शिकारी से कहा-"शिकारी, एक बात बताओ, अगर मैं तुम्हे कुछ ऐसा दे दूँ जिससे तुम रातों-रात अमीर बन जाओ तो क्या तुम मुझे आज़ाद कर दोगे?" शिकारी फ़ौरन रुका और बोला, "क्या है वो चीज, जल्दी बताओ?"

बाज बोला, दरअसल, बहुत पहले मुझे राजमहल के करीब एक हीरा मिला था, जिसे उठा कर मैंने एक गुप्त स्थान पर रख दिया था। अगर आज मैं मर जाऊँगा तो वो हीरा इसे ही बेकार चला जाएगा, इसलिए मैंने सोचा कि अगर तुम उसके बदले मुझे छोड़ दो तो मेरी जान भी बच जायेगी और तुम्हारी गरीबी भी हमेशा के लिए मिट जायेगी।

यह सुनते ही शिकारी ने बिना कुछ सोचे समझे बाज को आजाद कर दिया और वो हीरा लाने को कहा।

बाज तुरंत उड़ कर पेड़ की एक ऊँची साखा पर जा बैठा और बोला, "कुछ देर पहले ही मैंने तुम्हे एक सीख दी थी कि किसी के भी बातों का तुरंत विश्वास मत करना लेकिन तुमने उस सीख का पालन नही किया, दरअसल, मेरे पास कोई हीरा नहीं है और अब मैं आज़ाद हूँ।"

यह सुनते ही शिकारी मायूस हो पछताने लगा, तभी बाज फिर बोला, तुम मेरी दूसरी सीख भूल गए कि अगर कुछ तुम्हारे साथ कुछ बुरा हो तो उसके लिए तुम कभी पछतावा मत करना।

बच्चों इस कहानी से हमें ये सीख मिलती है कि हमे किसी अनजान व्यक्ति पर आसानी से विश्वास नहीं करना चाहिए और किसी प्रकार का नुक्सान होने या असफलता मिलने पर दुखी नहीं होना चाहिए, बल्कि उस बात से सीख लेकर भविष्य में सतर्क रहना चाहिए।

प्रस्तुति - श्रीमती सुनीता अग्रवाल

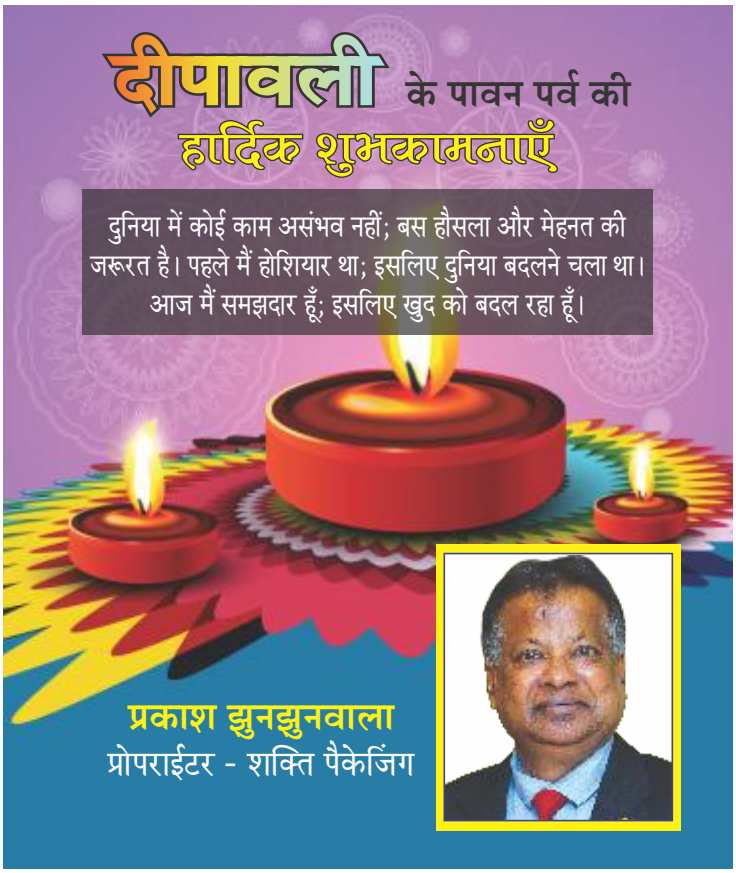
दीपावली के पावन पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएँ
दुनिया में कोई काम असंभव नहीं; बस हौसला और मेहनत की जरूरत है। पहले मैं होशियार था; इसलिए दुनिया बदलने चला था। आज मैं समझदार हूँ; इसलिए खुद को बदल रहा हूँ।
प्रकाश झुनझुनवाला
प्रोपराईटर - शक्ति पैकेजिंग

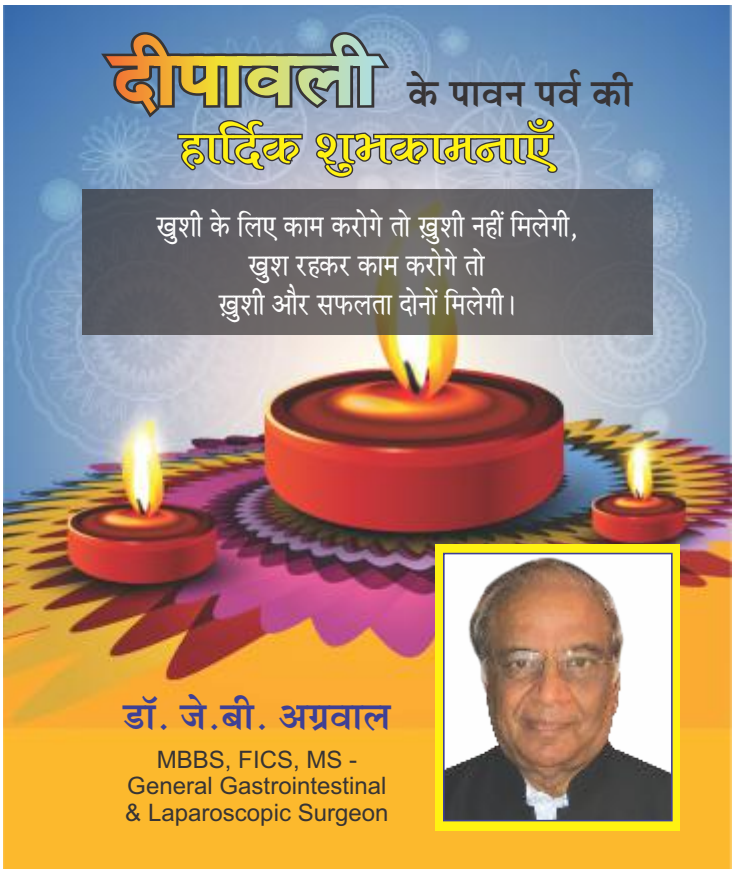
दीपावली के पावन पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएँ
खुशी के लिए काम करोगे तो ख़ुशी नहीं मिलेगी,
खुश रहकर काम करोगे तो
ख़ुशी और सफलता दोनों मिलेगी।
डॉ. जे.बी. अग्रवाल
MBBS, FICS, MS -
General Gastrointestinal
& Laparoscopic Surgeon

कब मिटेगी भेदभाव की रेखा

श्रीमती उषा विनोद देवडा

भले ही समय के साथ-साथ जमाना बदल चुका हो लेकिन आज भी कई जगहों पर बेटी और बेटे में फर्क किया जाता है। आज भी कई लोग ऐसे हैं, जिन्हें लगता है कि सिर्फ बेटे ही उनका वंश आगे बढ़ा सकते हैं। मगर, आखिर बेटी और बेटे में फर्क क्यों ?

अक्सर देखा जाता है कि थोड़ा बड़ी होने पर बेटी के हाथ में गुड़िया पकड़ा दी जाती है। वहीं अगर लड़के बड़े होते हैं तो वो फ्रेंड्स के साथ लेट नाइट पार्टी करते हैं लेकिन उन्हें किसी तरह की कोई रोक-टोक नहीं होती। जबकि लड़कियों को देर रात तक बाहर घूमने नहीं दिया जाता। पर कहीं ना कहीं ऐसा करके मां-बाप अपनी बच्ची के सपनों व ख्वाहिशों को मार देते हैं।

जिस बेटे के पैदा होने पर इतने आडंबर रचे जाते वही बेटा बडा हो के सब भूल जाता। वहीं लड़की बड़ी होकर ना सिर्फ मायके बल्कि ससुराल की रौनक बन जाती। इतना ही नहीं, अपनी ख्वाहिशों व सपनों को भूलकर वह सबका खयाल रखतीं।

संस्कार देना अलग बात है लेकिन ख्वाहिशो और सपनों को मारना अलग बात है। जब परिस्थिति आती है तो लड़कियां सब करना जानती हैं। ऐसे में संस्कारों के बोझ तले दवाएं नहीं। अपने बेटियों को सशक्त बनाए कमजोर नहीं। उन्हें आदर भाव बताए न की झुकना व दबना। अपने बेटियों को जीने की कला सिखाएं, ना कि संस्कार और तहजीब के नाम पर उनके सपनों व ख्वाहिशों को मारने की ट्रेनिंग दें।

ऐसे में बेटे-बेटी के खींची इस लाइन को मिटाने की सबसे पहली कोशिश माता-पिता को ही करनी होगी। अपने बेटी व बेटे को एक सामान समझें। यही नहीं, घर के जो काम आप अपने बेटी को सिखाती हैं वो बेटे को भी सिखाएं। फिर चाहे वो खाना बनाना हो या कपड़े धोना। अगर बेटा पढ़ने या जॉब के सिलसिले में कहीं बाहर जा रहा है तो यह उसके काम आएगा। वहीं इससे उसे बेहतर व्यक्ति बनने में भी मदद मिलेगी।

बेटा-बेटी के इस फर्क को मिटाने के लिए सरकार बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, सुकन्या योजना, गांव की बेटी जैसी ना जाने कितनी योजनाएं चली रही है। लेकिन अगर लोगों की सोच बदलनी है तो इसकी शुरूआत आपको अपने घर से ही करनी होगी।

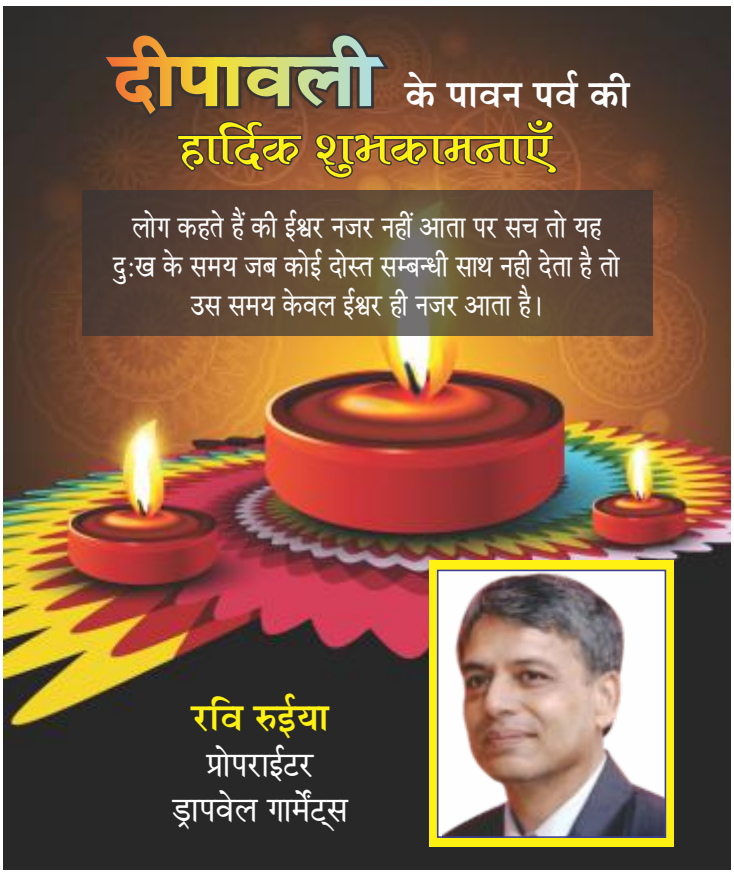
दीपावली के पावन पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएँ
लोग कहते हैं की ईश्वर नजर नहीं आता पर सच तो यह
दु:ख के समय जब कोई दोस्त सम्बन्धी साथ नही देता है तो
उस समय केवल ईश्वर ही नजर आता है।
रवि रुईया
प्रोपराईटर
ड्रापवेल गार्मेंट्स

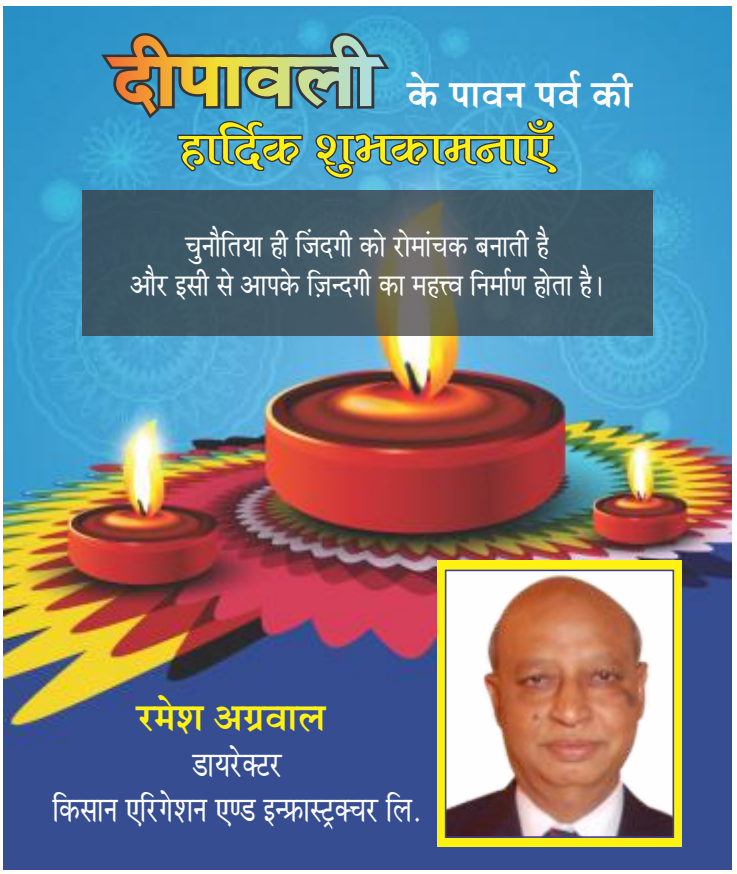
दीपावली के पावन पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएँ
चुनौतिया ही जिंदगी को रोमांचक बनाती है
और इसी से आपके ज़िन्दगी का महत्त्व निर्माण होता है।
रमेश अग्रवाल
डायरेक्टर
किसान एरिगेशन एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लि.

रीति-रिवाजों तथा थोड़ी सावधानी के साथ मनेगी दीपावली

"तमसो माँ ज्योतिर्गमय" अंधेरे से प्रकाश की तरफ यही दर्शाता है ये त्योहार। दीपावली दीपों का पर्व रोशनी से जगमगाता यह पर्व असत्य पर सत्य की विजय को भी दर्शाता है। दीपावली में साफ-सफाई हो , घरों में रंग-रोगन हो, सब चमक ही चमक। जब प्रकाश की लड़ियां झिलमिलाती हैं तो सौंदर्य और निखर जाता है। यदि माने तो यह पर्व प्रकाश के साथ-साथ स्वच्छता का प्रतीक बन गया है।

यह पर्व हमें पूर्णरुप से सकारात्मकता की ओर ले जाता है। दीपावली हर धर्म के लोग मनाते हैं। दीपावली के दिन देश के अन्य हिस्सों के साथ -साथ अयोध्या में खास आकर्षण होता है। खास दीपावली मनाई जाती है। दीपावली के दिन श्री रामचंद्रजी १४ वर्ष के वनवास के बाद भइया लक्ष्मण और माता सीता के साथ अयोध्या लौटे थे। उनके आगमन के स्वागत में अयोध्यावासियों ने दीपों की रोशनी से उनका स्वागत किया था। इस तरह दीपावली की शुरुआत हुई।

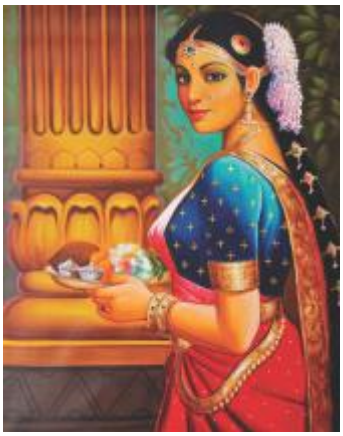

दुख-सुख जीवन के अंश हैं। जिस तरह दीपक जलकर चारों तरफ रोशनी फैलाता है वैसे ही हमें अपने दुख को त्याग कर, अपने सत्कर्म दूसरों को लाभ पहुँचाना चाहिए। त्योहारों की खनक इस माह से शुरू हो चुकी है जहां नवरात्रि में मां के नौ रूपों की भक्ति में सब लीन थे। वहीं अप दीपावली की गूंज सब जगह होगी। कोरोना काल की वजह से थोड़ी फीकी जरूर है लेकिन परिवार के साथ सब इस बार हर त्योहार का आनंद ले रहे हैं। हर किसी की तमन्ना है इस दीपावली के वातावरण में फैली नाकारात्मकता दूर चली जाए और सकारात्मकता के साथ एक नई शुरुआत हो। उम्मीदों के उजाले के साथ दीपावली एक नई खुशियां लेकर आए। त्योहारों की खुशबू हर तरफ नजर आने लगी है लेकिन इस बार बदलती लाइफस्टाइल के साथ दीपावली बनानी होगी। थोड़ी सजगता के साथ थोड़ी दूरी के साथ।

कोरोना काल में जिस तरह का अनुभव हमें जिंदगी ने दिया है हमारा नजरिया कुछ बदल-सा गया है। हर ओर जहां त्योहारों की धूम है रहती थी। वहाँ कहीं ना कहीं कुछ खालीपन सा जान पड़ता है। थोड़ी चहल-पहल तो दिखती है। लेकिन वह खुशी, खुशबू कहीं खो गई है। त्योहार आए और गए भी। त्योहारों का सिलसिला शुरू भी है लेकिन वह उमंग, वह जोश थोड़ा कम ही नजर आता है। त्योहारों में दोस्तों-रिश्तेदारों से मिलने की उमंग दम तोड़ती नजर आ रही है। कहीं ना कहीं आज की परिस्थिति का त्योहारों पर साफ असर दिखाई पड़ता है। संघर्षमय इस परिस्थिति की शुरुआत लगभग होली त्योहार के आस-पास शुरु हुई थी और अब वर्ष समाप्ति पर है, लेकिन संघर्ष कम होगा नजर नहीं आ रहा है।

परिवार के साथ-साथ घर आंगन में ही दीपावली मनाएं। परिवाररुपी गुलदस्ता हमेशा के लिए सहेजें। परिवार के साथ बिताए हरपल की यादें, यादगार बनकर रहेंगी। कोरोना काल ने जहां कुछ छीना है वहीं बहुत कुछ दिया भी है। परिवारिक रिश्ते जो कहीं खोते नजर आ रहे थे इस काल ने उन्हें इतने नजदीक ला दिया है कि उसका मीठा सा एहसास आजीवन हमारे जीवन को नई स्फूर्ति प्रदान करता रहेगा। हमें अपने व आस-पास के लोगों का मनोबल बढ़ाकर इस कोरोना काल में त्योहारों का आनंद लें। हर खुशियों को सहेजें।

रीति-रिवाजों के साथ त्योहार मनाना हमारी परंपरा रही है। इसी परंपरा और रीति-रिवाज के साथ दूरी बनाकर हर त्यौहार मनाएंगे। दीपावली के दीप हर जगह जलाएंगे, रोशनी हर जगह बिखरेगी, बस थोड़ी सी दूरी का पालन करें। आधुनिक समाज में हम स्वयं को मजबूत कर इस त्यौहार का आनंद लेंगे आप सब को दीपावली और आने वाले हर त्योहारों की शुभकामनाएं।

निक्की शर्मा "रश्मि"

मुंबई

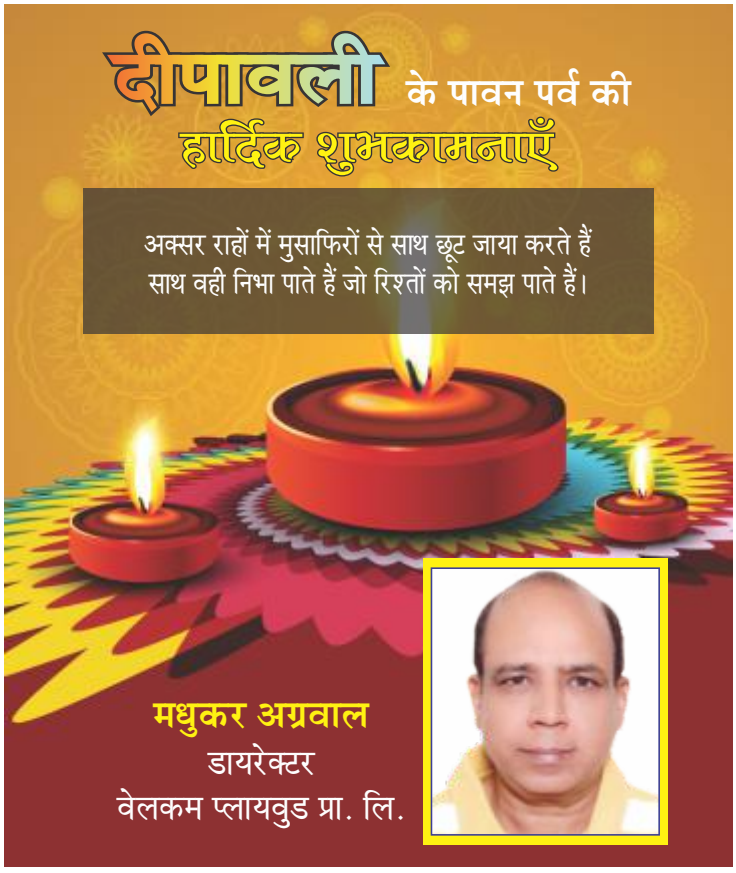

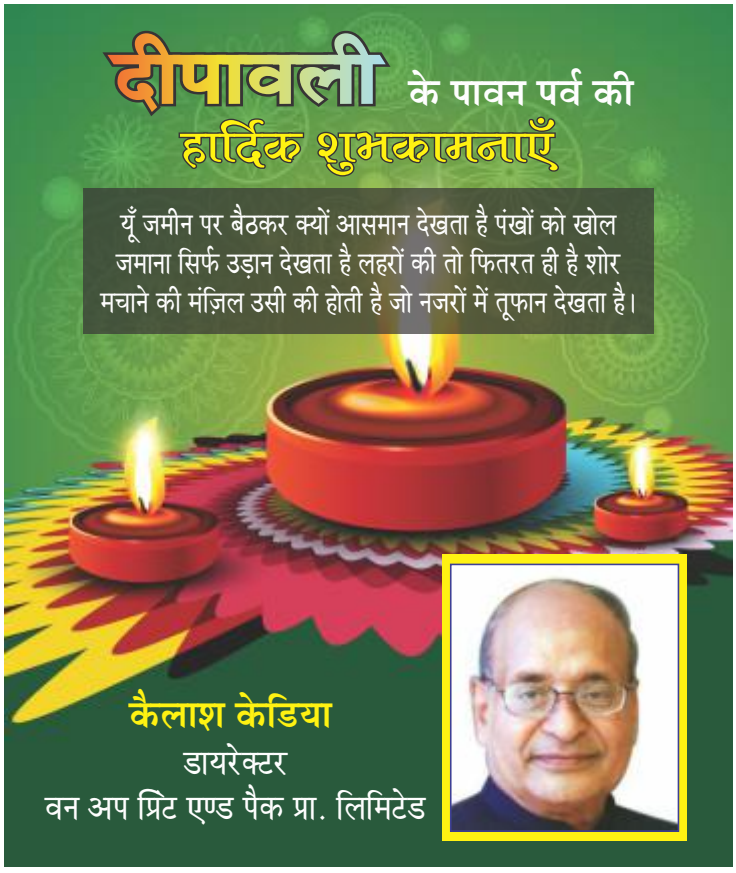
दीपावली के पावन पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएँ
यूँ जमीन पर बैठकर क्यों आसमान देखता है पंखों को खोल
जमाना सिर्फ उड़ान देखता है लहरों की तो फितरत ही है शोर
मचाने की मंज़िल उसी की होती है जो नजरों में तूफान देखता है।
कैलाश केडिया
डायरेक्टर
वन अप प्रिंट एण्ड पैक प्रा. लिमिटेड

सोच का मिलना है जरूरी

क्या कोई रिश्ता महज इसलिए टिक सकता है कि पार्टनर खूबसूरत है या वह इसलिए खत्म हो सकता है कि पार्टनर सुंदर नहीं है ? शादी तय करते हुए भले ही सुंदरता को देखा जाता हो लेकिन दांपत्य जीवन की सफलता कई अन्य बातों पर निर्भर करती है।

आकर्षण को कई तरह से परिभाषित किया जाता है। कुछ लोग इसके लिए बायोलॉजी का सहारा लेते हैं, कुछ वैचारिक-भावनात्मक समानता को महत्व देते हैं तो कुछ का मानना है कि आमतौर पर लोग पार्टनर में उन गुणों की तलाश करते हैं, जो उनमें नहीं होते। बायोलॉजिकल थ्योरी कहती है कि प्रकृति (हॉर्मोन्स या प्रेम की भावना) पार्टनर के चयन में काम करती है, जबकि व्यावहारिक धारणा कहती है कि भविष्य में कौन साथी बनेगा, इसके बीज काफी हद तक बचपन में पड़ जाते हैं।लोग पार्टनर में वे गुण देखना चाहते हैं, जो अपने पेरेंट्स में पाते हैं। लड़कियों के लिए पिता आदर्श होते हैं तो लड़के भी अपनी मां से प्रभावित रहते हैं। कई बार बिना किसी अट्रैक्शन के भी शादियां चल जाती हैं तो इनके पीछे कई सामाजिक-आर्थिक और नैतिक आधार होते हैं।

कई दंपती सोशल सर्कल में मेड फॉर ईच अदर या परफेक्ट कपल माने जाते हैं, जबकि दूसरी ओर कुछ दंपतियों को मिसमैच्ड जैसा टैग दे दिया जाता है। मिसमैच्ड है क्या ? मिसमैच्ड जैसी कोई अवधारणा नहीं होती। पार्टनर्स का एक-दूसरे से संपर्क, संवाद और एक-दूसरे के प्रति स्वीकार्यता ही वे तत्व हैं, जिनके आधार पर शादियां टिकती हैं। आमतौर पर कुछ समय साथ बिताने के बाद ही पति-पत्नी का रीअल सेल्फ एक-दूसरे के सामने आ पाता है। कानूनी पहलू पर भी देखें तो तलाक लेने से पहले पति-पत्नी को कुछ समय दिया जाता है ताकि वे सोचें-समझें और अपने निर्णय पर पुनर्विचार करें। जब कोई अपने पार्टनर को मानसिक, शारीरिक, भावनात्मक या आर्थिक आधार पर न स्वीकार कर सके, उस स्थिति में मिसमैच्ड का कॉन्सेप्ट काम करता है।

एक पहलू यह भी है कि प्यार में डूबे कपल्स की आंखें एक-दूसरे में गुण ही तलाशती हैं। वास्तविक जीवन में कथित रूप से मिसमैच्ड कपल्स कम नजर आते हैं क्योंकि हर व्यक्ति अपने लिए बेस्ट पार्टनर तलाशता है। चेहरे के आधार पर किसी की परख नहीं की जा सकती। हां अगर आपका पति काबिल और गुणी होने के साथ साथ स्मार्ट भी है तो ये तमाम गुणों में से एक गुण होता है।

भारतीय समाज के संदर्भ में देखें तो पति की तुलना में पत्नी का सुंदर होना एक हद तक यहां स्वीकार्य है। परंपरागत सोच कहती है कि पुरुष की कमाई और स्त्री का लावण्य अधिक महत्वपूर्ण है। पिछले वर्ष साइकोलॉजिकल साइंस में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, आकर्षक व्यक्तित्व रिश्ते में संतुष्टि की गारंटी नहीं हैं। पति-पत्नी दोनों सुंदर हों, तो भी उनके रिश्तों में दरार पड़ सकती है। सलेब्रिटीज की टूटती शादियां इसका सबसे सही उदाहरण हैं। दूसरी ओर आकर्षण की परिभाषा भी उम्र के अलग-अलग पड़ावों पर बदलती है। पहले प्रेमी या प्रेमिका का चेहरा पसंद होता है, बाद में उसके भीतर छिपा मां या पिता का चेहा।। जरूरत इसकी है कि खूबसूरती और आकर्षण के प्रति अपना नजरिया बदला जाए।

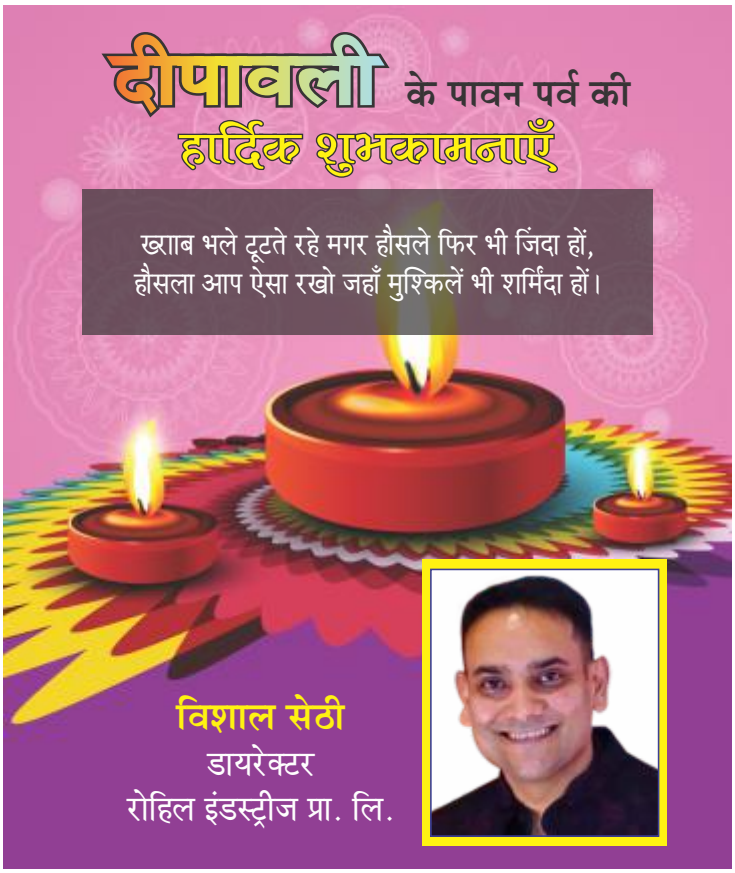

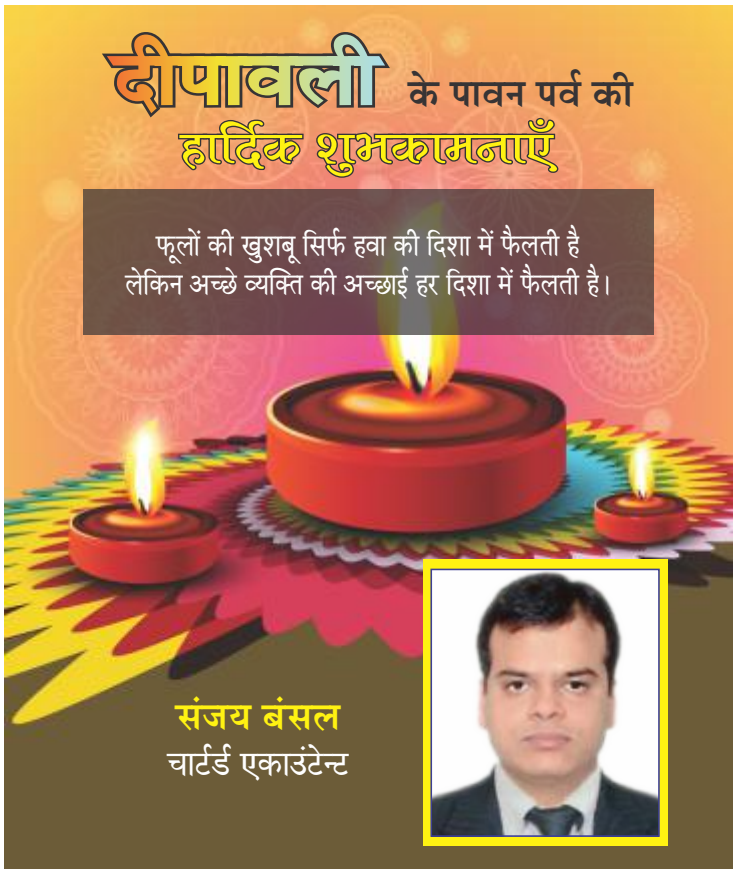

सीने और पेट में तेज जलन
मिलेगी राहत

कुछ लोगों को अक्सर सीने में जलन की शिकायत होती है। सीने में जलन के कई कारण हो सकते हैं। ये जलन एसिडिटी, अपच और कम पानी पीने के कारण हो सकती है। कई बार सीने में लगातार तेज जलन कैंसर जैसे गंभीर रोग का संकेत भी होता है। जब हम खाना खाते हैं तो हमारी लार खाने के साथ मिलकर इसे स्टार्च के छोटे-छोटे अणुओं में तोड़ती है। में जलन की इस समस्या को कुछ आसान घरेलू नुस्खों द्वारा ठीक किया जा सकता है।

सौंफ खाएं : पेट और सीने में जलन है तो सौंफ खाने से इसमें आराम मिलता है। सौंफ भोजन को पचाने वाला रस बनाने में मदद करता है इसलिए अगर आप रोज खाने के बाद एक चम्मच सौंफ खाते हैं तो आपका पाचन ठीक रहता है और सीने और पेट में जलन की समस्या नहीं होती है।

जीरा और नींबू : अगर सीने में तेज जलन है और तुरंत आराम पाना है तो एक ग्लास पानी में एक नींबू, आधा चम्मच भुने हुए जीरे का पाउडर और नमक डालकर पी लें। इससे जलन में तुरंत आराम मिलेगा और पाचन ठीक होगा। आप चाहें तो आधा चम्मच कच्चा जीरा चबाकर गुनगुना पानी पी लें।

तुलसी की पत्तियां : अगर जलन ज्यादा तेज है तो तुलसी की पत्तियों को सेवन से इसमें राहत मिलती है। तुलसी की पत्तियां पेट और सीने के जलन को ठीक करती हैं। इसके लिए जलन होने पर ७-८ तुलसी की ताजी पत्तियां तोड़कर अच्छी तरह धुल लें और कच्चा ही चबाकर खाएं। आप चाहें तो इसे पानी में उबालकर और पानी छानकर भी पी सकते हैं।

खाने के बाद गुड़ : सीने और पेट में जलन की मुख्य वजह भोजन के पाचन के लिए बनने वाले रस की अनियमितता है। इसलिए इस समस्या से आराम के लिए आप रोजाना भोजन के बाद एक छोटा टुकड़ा गुड़ का चूसें। ध्यान रखें इसे जल्दी-जल्दी खाना नहीं है बल्कि धीरे-धीरे चूसना है। इससे पेट की पाचन क्षमता बढ़ती है और जलन में आराम मिलता है।

अपने डॉक्टर खुद बने

- केवल सेंधा नमक प्रयोग करें, थायराईड, बी पी और पेट ठीक होगा।
- केवल स्टील का कुकर ही प्रयोग करें, अल्युमिनियम में मिले हुए लेड से होने वाले नुकसानों से बचेंगे
- कोई भी रिफाइंड तेल ना खाकर केवल तिल, मूंगफली, सरसों और नारियल का प्रयोग करें। रिफाइंड में बहुत केमिकल होते हैं जो शरीर में कई तरह की बीमारियाँ पैदा करते हैं ।
- सोयाबीन बड़ी को २ घण्टे भिगो कर, मसल कर ज़हरीली झाग निकल कर ही प्रयोग करें।
- रसोई में एग्जास्ट फैन जरूरी है, प्रदूषित हवा बाहर करें।
- काम करते समय स्वयं को अच्छा लगने वाला संगीत चलाएं। खाने में भी अच्छा प्रभाव आएगा और थकान कम होगी।
- देसी गाय के घी का प्रयोग बढ़ाएं। अनेक रोग दूर होंगे, वजन नहीं बढ़ता।
- ज्यादा से ज्यादा मीठा नीम/कढ़ी पत्ता खाने की चीजों में डालें, सभी का स्वास्थ्य ठीक करेगा।
- ज्यादा से ज्यादा चीजें लोहे की कढ़ाई में ही बनाएं। आयरन की कमी किसी को नहीं होगी।
- भोजन का समय निश्चित करें, पेट ठीक रहेगा। भोजन के बीच बात न करें, भोजन ज्यादा पोषण देगा।

वैद्य डॉ. अरूण शास्त्री
B.E.M.S., D.N.Y.S., A.V.V.R., G.E.M.P. (N.D.)
M. 9870033089

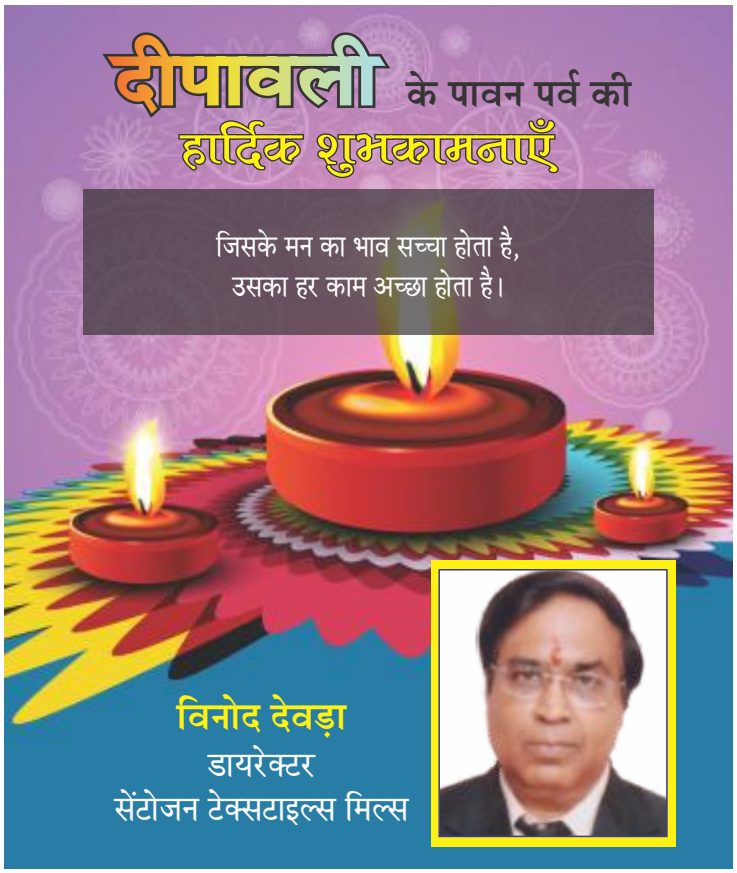

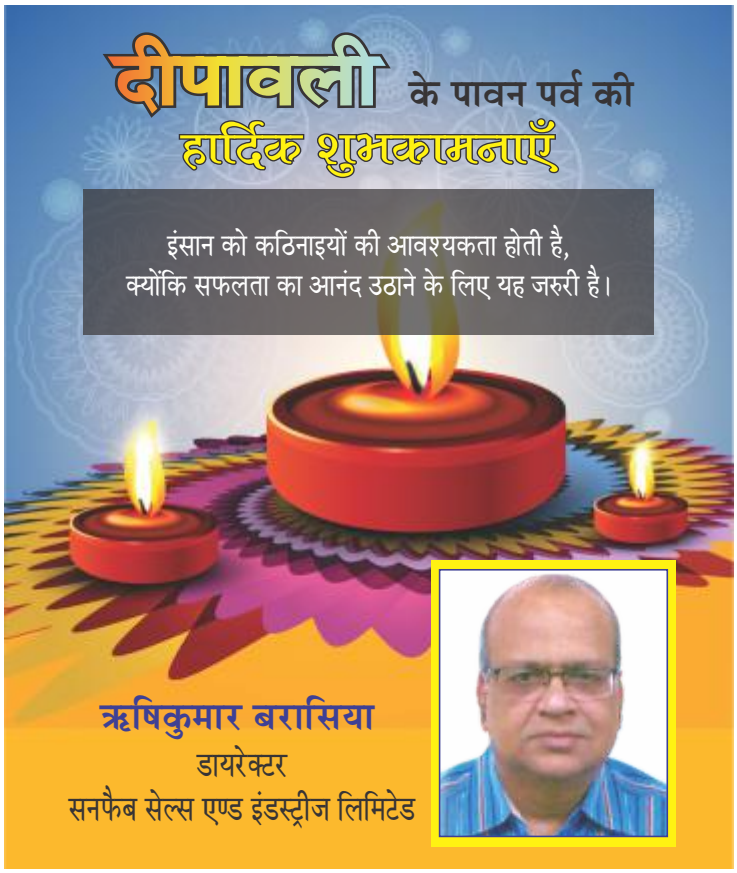

With Best Compliments From

Chandrakant Agrawal & Vinod Goyal

Brijwasi

Special offer for Rotarians On This

Deepawali

BRIJWASI BENGALI SWEETS PVT. LTD.

Factory: Brijwasi Estate, Sonawala Road, Goregaon East, Mumbai: 400063.
Tel.: 26863392 / 26862474 | **Email** : brijwasi@mail.com

दीपावली के पावन पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएँ

फासले होते नहीं बनाए जाते हैं, मीलों दूर रहकर भी
रिश्ते निभाए जाते हैं, दिखावे से जिंदगी नहीं चलती
क्योंकि कुछ रिश्ते भरोसे से निभाए जाते हैं।

जयकुमार गुप्ता
चेयरमैन एण्ड मैनेजिंग डायरेक्टर
बेस्ट रोडवेज लिमिटेड

दीपावली के पावन पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएँ

अच्छे व्यक्ति के साथ संबंध उस गन्ने के समान है,
जिसे आप तोड़ो, मरोड़ो काटो,
आपको उससे मीठा रह ही मिलेगा।

सुरेश अग्रवाल
डायरेक्टर
आशिका सारीज लिमिटेड

जहाँ प्रेम है, वहीं लक्ष्मी

एक सुनार से लक्ष्मी जी रूठ गई । जाते वक्त बोली मैं जा रही हूँ और मेरी जगह नुकसान आ रहा है। तैयार हो जाओ। लेकिन मैं तुम्हें अंतिम भेट जरूर देना चाहती हूँ। माँगो जो भी इच्छा हो। सुनार बहुत समझदार था। उसने विनती की नुकसान आए तो आने दो। लेकिन उससे कहना की मेरे परिवार में आपसी प्रेम बना रहे। बस मेरी यही इच्छा है।

लक्ष्मी जी ने तथास्तु कहा। कुछ दिन के बाद-सुनार की सबसे छोटी बहू खिचड़ी बना रही थी। उसने नमक आदि डाला और अन्य काम करने लगी। तब दूसरे लड़के की बहू आई और उसने भी बिना चखे नमक डाला और चली गई। इसी प्रकार तीसरी, चौथी बहुएं आई और नमक डालकर चली गई। उनकी सास ने भी ऐसा किया। शाम को सबसे पहले सुनार आया।

पहला निवाला मुँह में लिया। देखा बहुत ज्यादा नमक है। लेकिन वह समझ गया नुकसान (हानि) आ चुका है। चुपचाप खिचड़ी खाई और चला गया। इसके बाद बड़े बेटे का नम्बर आया। पहला निवाला मुँह में लिया। पूछा पिता जी ने खाना खा लिया क्या कहा उन्होंने ? सभी ने उत्तर दिया- हाँ खा लिया, कुछ नहीं बोले।

अब लड़के ने सोचा जब पिता जी ही कुछ नही बोले तो मैं भी चुपचाप खा लेता हूँ। इस प्रकार घर के अन्य सदस्य एक-एक आए। पहले वालों के बारे में पूछते और चुपचाप खाना खा कर चले गए। रात को नुकसान (हानि) हाथ जोड़कर सुनार से कहने लगा -मै जा रहा हूँ। सुनार ने पूछा- क्यों ? तब नुकसान (हानि) कहता है, आप लोग एक किलो तो नमक खा गए। लेकिन बिलकुल भी झगड़ा नहीं हुआ। मेरा यहाँ कोई काम नहीं। इसलिए कहते हैं झगड़ा कमजोरी, हानि, नुकसान की पहचान है। जहाँ प्रेम है, वहाँ लक्ष्मी का वास है।

जैन धर्म में इसलिए मनाते हैं दीपावली का त्योहार

भारत में हिन्दू, जैन, बौद्ध और सिख धर्म में दीपावली का त्योहार हर्षोल्लास से मनाया जाता है। इस दिन सभी धर्मों के लोग लक्ष्मी की पूजा करते हैं, दीपक जलाते हैं, मिठाइयां बांटते हैं और पटाखे छोड़ते हैं। लेकिन इसके अलावा भी सभी धर्मों में किसी अन्य खास कारण से भी दीपावली का उत्सव मनाया जाता है। आओ जानते हैं कि जैन धर्म में दिवाली पर्व का क्या महत्व है ?

दीपावली के दिन ५२७ ईसापूर्व जैन धर्म के २४ वे तीर्थकार भगवान महावीर को निर्वाण प्राप्त हुआ था। उस दिन कार्तिक मास की अमावस्या की ही रात थी। इसी दिन भगवान महावीर के प्रमुख गणधर गौतम स्वामी को भी कैवल्य ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। इसीलिए दीप और रोशनी के त्योहार दिवाली को जैन धर्म में भी धूमधाम से मनाया जाता है।

जैन ग्रंथों के मुताबिक महावीर भगवान ने दिवाली वाले दिन मोक्ष जाने से पहले आधी रात को आखिरी बार उपदेश दिया था जिसे "उत्तराध्ययन सूत्र" के नाम से जाना जाता है। भगवान के मोक्ष में जाने के बाद वहां मौजूद जैन धर्मावलंबियों ने दीपक जलाकर रोशनी की और खुशियां मनाईं।

जैन धर्म के लिए यह त्योहार विशेष रूप से त्याग और तपस्या के त्योहार के तौर पर मनाया जाता है इसलिए इस दिन जैन धर्मावलंबी भगवान महावीर की विशेष पूजा करके उनके त्याग और तपस्या को याद करते हैं। दिवाली यानी वीर निर्वाणोत्सव वाले दिन सभी जैन मंदिरों में विशेष पूजा का आयोजन किया जाता है।

प्रस्तुति - आलोक अग्रवाल
मुंबई

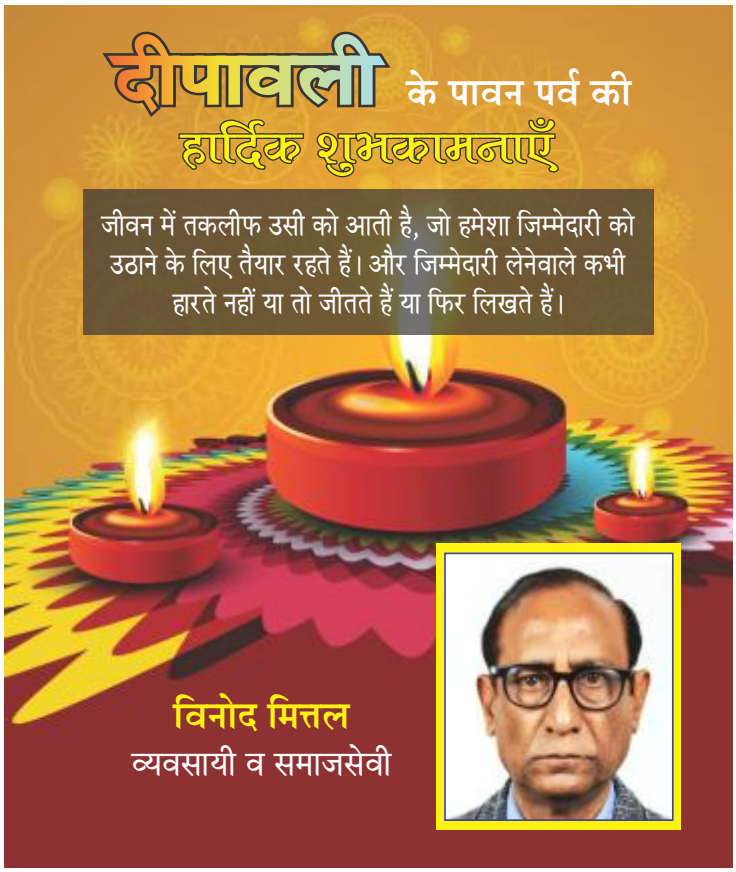
दीपावली के पावन पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएँ
जीवन में तकलीफ उसी को आती है, जो हमेशा जिम्मेदारी को उठाने के लिए तैयार रहते हैं। और जिम्मेदारी लेनेवाले कभी हारते नहीं या तो जीतते हैं या फिर लिखते हैं।
विनोद मित्तल
व्यवसायी व समाजसेवी

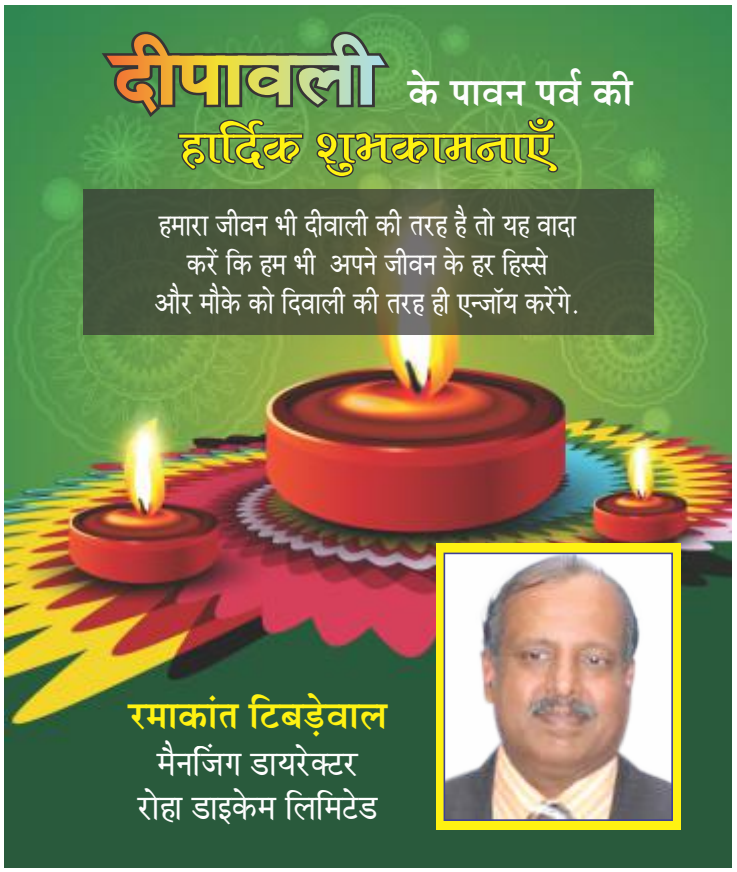
दीपावली के पावन पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएँ
हमारा जीवन भी दीवाली की तरह है तो यह वादा करें कि हम भी अपने जीवन के हर हिस्से और मौके को दिवाली की तरह ही एन्जॉय करेंगे.
रमाकांत टिबड़ेवाल
मैनजिंग डायरेक्टर
रोहा डाइकेम लिमिटेड

श्री राजस्थानी सेवा संघ की नई कार्यकारिणी का गठन

श्री राजस्थानी सेवा संघ, अंधेरी की नई कार्यकारिणी समिति का गठन वर्ष २०२०-२०२५ के लिए किया गया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष डॉक्टर विनोद टीबरेवाला का सभी ट्रस्टी एवं समिति पदाधिकारियों द्वारा पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। डॉ. विनोदजी ने संस्था के बारे में समिति को बताया कि संस्था शिक्षा के क्षेत्र में अधिक से अधिक विस्तार करना चाहती है। संस्था का लक्ष्य एक नई स्किल यूनिवर्सिटी की स्थापना करने का है। जिससे ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थियों में व्यवसाय एवं रोजगार के अवसर बढ़े। स्किल यूनिवर्सिटी में आने वाली पीढ़ी को पढ़ाई के साथ साथ, जीवन में काम आने वाले विभिन्न स्किल जैसे इलेक्ट्रिशियन, प्लंबिंग, वेल्डिंग, ब्यूटीशियन, इत्यादि कोर्स के बारे में बारे में ट्रेनिंग भी दी जाती है, ताकि विद्यार्थी भविष्य में अपना स्वयं का व्यवसाय शुरू कर सकें तथा समाज में रोजगार के नए अवसर प्राप्त हो। इस अवसर पर बाबूलाल ढंढारिया, रामअवतार अग्रवाल, डॉक्टर एम जी श्रीहट्टी, डॉक्टर वनश्री वलेचा, दीनदयाल मुरारका , डॉक्टर अंजू सिंह, कमल काबरा, डॉ सुरेश चतुर्वेदी, डॉ श्रेयस श्रीहट्टी व अन्य पदाधिकारी विशेष रुप से उपस्थित थे। अभी हाल ही में स्किल डेवलपमेंट के बहुत सारे नए कोर्सेस श्रीनिवास बगड़का कॉलेज में डॉ. वी एस वलेचा के नेतृत्व में शुरू किए गए।

महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव सम्पन्न

अग्रबंधू सेवा समिति मुम्बई द्वारा अग्रकुल प्रवर्तक, अग्रवाल परिवारों के भगवान अग्रसेन जी, जिनका जन्म भगवान श्रीरामचन्द्र जी के ३६ वीं पीढ़ी में हुआ, की ५१४४ वीं जन्म जयंती शनिवार १७ अक्टूबर २०२० को संस्था के पंजीकृत कार्यालय पर आयोजित की गई। इस कार्यक्रम का दीप-प्रज्वलन कर संस्थाध्यक्ष श्री लक्ष्मीनारायण अग्रवाल (मन्नू सेठ), मानद्-मंत्री श्री उदेश अग्रवाल व कोषाध्यक्ष श्री गोपालदास गोयल के मार्गदर्शन में शुभारंभ हुआ। इस आयोजन के ट्रस्टी श्री अमरीशचंद्र अग्रवाल संयोजक तथा ट्रस्टी मनमोहन गुप्ता जी स्वागताध्यक्ष थे। इस अवसर पर फेसबुक तथा यू-ट्यूब के माध्यम से भजन संध्या का आयोजन अग्रवाल परिवारों के लिए किया गया। भजन सम्राट श्री राजू खण्डेलवाल जी, श्री रामअवतार अग्रवाल जी व साथियों द्वारा भगवान अग्रसेन जी एवं कुलदेवी माता महालक्ष्मी के जीवन पर आधारित भजनों की प्रस्तुती की गई। कोरोना महामारी को दृष्टिगत रखते हुए अग्रवाल परिवारों के साथ संस्था के कार्य समिति सदस्य व महिला समिति सदस्यों ने भी फेसबुक व यू-ट्यूब के माध्यम से कार्यक्रम का लाभ लेकर सफल बनाया। भजनों की प्रस्तुति काफी सराहनीय थी। सभी गायको को शॉल, मेमोन्टों व पुष्प-गुच्छ देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन ट्रस्टी श्री कानबिहारी द्वारा किया गया। समापन पर भगवान अग्रसेन जी व कुलदेवी माता महालक्ष्मी जी की आरती उपस्थितों में उपाध्यक्ष श्री अनिल पी. अग्रवाल व बृजमोहन अग्रवाल, संयुक्त मंत्री श्री अनिल आर. अग्रवाल, संयुक्त कोषाध्यक्ष श्री प्रवीण अग्रवाल, कर्यसमिति सदस्यों में श्री सुभाष अग्रवाल, श्री दिनेश कानोड़िया, सहयोगी श्री विनय भाई ने करके कार्यक्रम को सम्पन्न किया तथा सभी प्रकार की व्यवस्थाओं में सहयोग कर कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम का लाईव प्रसारण करने में रवि शर्मा व उनके सहयोगियों ने अपना सम्पूर्ण योगदान दिया।

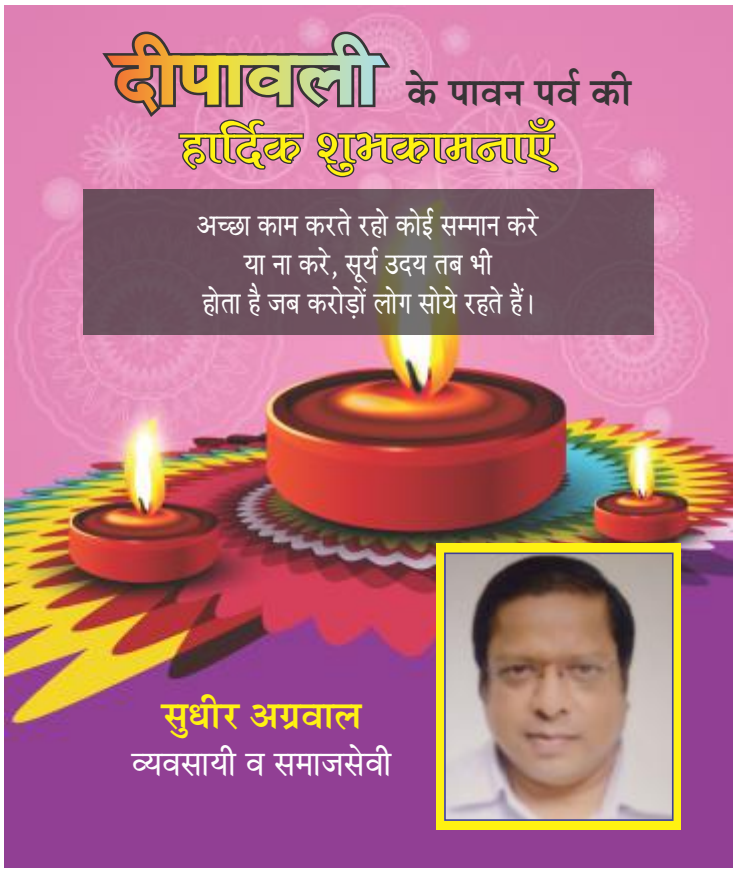

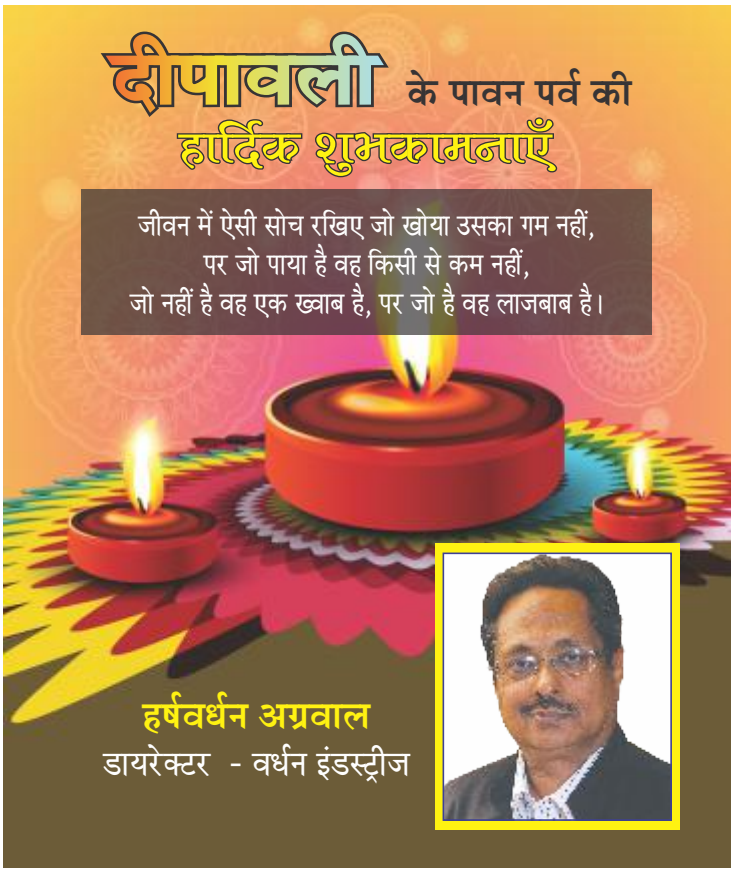
दीपावली के पावन पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएँ
जीवन में ऐसी सोच रखिए जो खोया उसका गम नहीं,
पर जो पाया है वह किसी से कम नहीं,
जो नहीं है वह एक ख्वाब है, पर जो है वह लाजबाब है।
हर्षवर्धन अग्रवाल
डायरेक्टर - वर्धन इंडस्ट्रीज

HAPPY DEEPAVALI & PROSPEROUS NEW YEAR

SYNCOM FORMULATIONS (INDIA) LIMITED

Presence in Domestic Market as

CRATUS LIFE CARE

Regd. Off. : 7, Niraj Industrial Estate, Off Mahakali Caves Road, Andheri (East), MUMBAI - 400 093, INDIA. Tel. : +91-22-26877700, Email : sfil87@sfil.in, Website : www.sfil.in

दीपावली के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ

मनुष्य यदि स्वयं को पहचान जाए तो उससे बड़ा कोई ज्ञान नहीं। जीवन में किसी को प्रेम देना सबसे बड़ा उपहार होता है तथा किसी से प्रेम पाना सबसे बड़ा सम्मान होता है।

संदीप केड़िया
व्यवसायी व समाजसेवी

दीपावली के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ

जिंदगी का सबसे अच्छा पल वह है जब आप कहें मैं ठीक हूँ और आपका दोस्त एक पल आपकी आँखों में देखे और कहे- चल बता, बात क्या है।

रमन अग्रवाल
चेयरमैन
शुभलक्ष्मी पोलिस्टर लिमिटेड

रोटरी क्लब ऑफ मुंबई नॉर्थ एण्ड ने वितरित किए मास्क और इम्युनिटी बूस्टर दवाइयाँ

क्लब की तरफ से एन९५ के २५००० मास्क का वितरण म्युनिसिपल कार्यालयों, पुलिस कर्मचारियों, क्राइम ब्राँच के कर्मचारियों और अस्पतालों में लेट्सहेल्प.ओआरजी के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष रो. विनोद गोयल, सेक्रेटरी रो. अरुण बगडिया व इस प्रोजेक्ट को स्पोंसर करनेवाले रो. निरंजन झुनझुनवाला उपस्थित रहे।

रोटरी क्लब ऑफ मुंबई नॉर्थ एण्ड व रोटरी क्लब ऑफ मुंबई राइजिंग स्टार के संयुक्त तत्वाधान में जुहू पुलिस स्टेशन में १७५ इम्युनिटी बूस्टर पैकेट दवाइयों का वितरण किया गया। इस प्रोजेक्ट को रो. विजय बांकड़ा ने स्पोंसर किया। इस अवसर पर रो. मनन पोद्दार, रो. विनोद गोयल व रो. अनूपकुमार चंदाराणा ने उपस्थित रहकर वितरण किया।

रोटरी क्लब मुंबई नॉर्थ एण्ड

द्वारा

मानव सेवा में मुफ्त संचालित विविध उपक्रम

- सोनोग्राफी व २डी इको की जाँच की सुविधा
- वैद्यकीय सहायता
- मोतिया बिंद का आपरेशन
- पाइल्स, साइनस व स्टोन का नेचरोपैथी द्वारा इलाज
- लेप्रोस्कोपी और डागनोस्टिक टेस्ट

किशोरीलाल झुनझुनवाला
ट्रस्ट चेयरमैन

विनोद गोयल
अध्यक्ष

रमेश अग्रवाल
मेडिकल डायरेक्टर

अरुण बगड़िया
क्लब सेक्रेटरी

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें :
मोबाइल-नं. 9820017008 / 9833232327

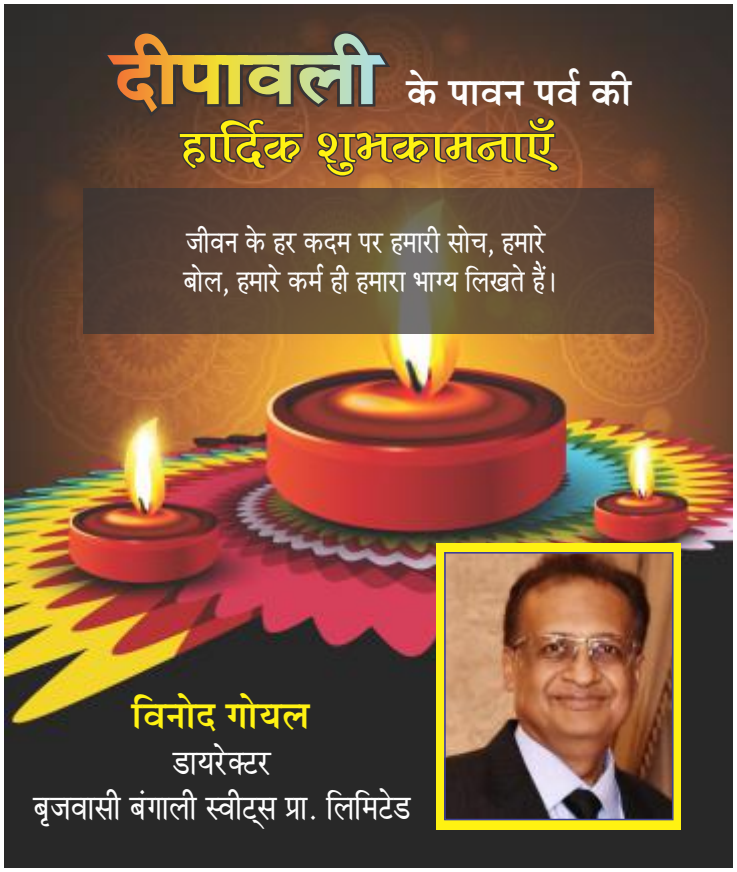

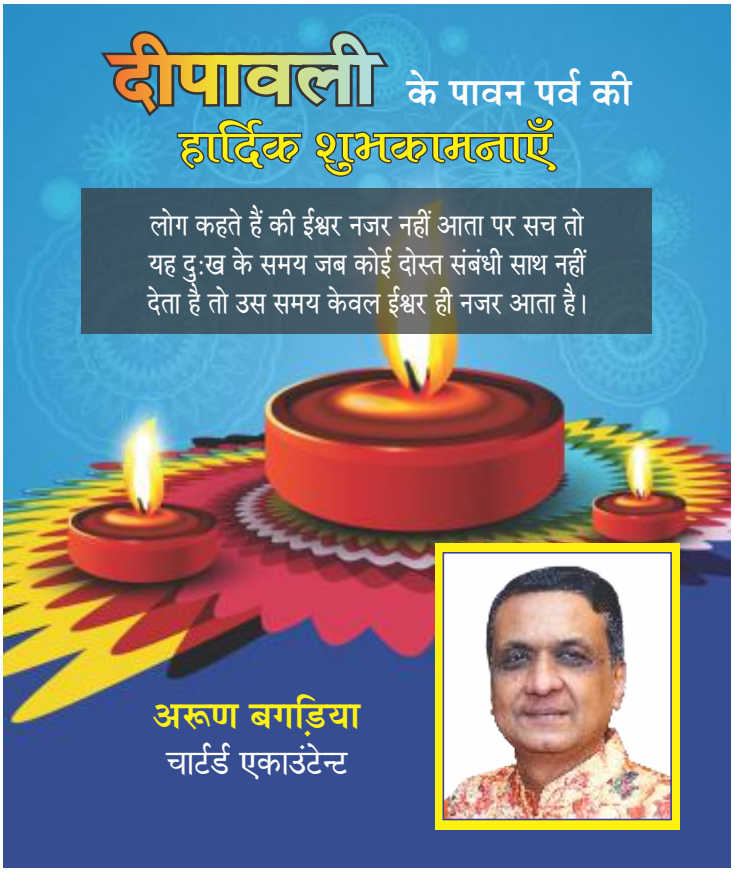
दीपावली के पावन पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएँ
लोग कहते हैं की ईश्वर नजर नहीं आता पर सच तो यह दु:ख के समय जब कोई दोस्त संबंधी साथ नहीं देता है तो उस समय केवल ईश्वर ही नजर आता है।
अरूण बगड़िया
चार्टर्ड एकाउंटेन्ट

कोई आज़ादी को ढूँढ कर लाओ

लड़कियाँ कोई भोगने की चीज़ है क्या की हर कुछ दिन बाद कहीं ना कहीं दरिंदे वहशीपन से अपने संस्कारों की धज्जियां उडाते है, किसी मासूम की इज़्जत उतार कर मार देते है। जब-जब बलात्कार की घटना घटती है तब लड़कीयों के वस्त्रों पर, उनकी आज़ादी पर या लड़कियों की अदा पर सवाल उठाकर टिप्पणी करते बलात्कारियों का बचाव करने वालें निकल पड़ते है बलात्कारियों को अपने गिरहबान में झांकने की सलाह नहीं देते है की अपनी नज़र में पवित्रता रखो। आठ महीने की बच्ची, दो साल की या चार साल की बच्चियाँ कहाँ अंग प्रदर्शन करते निकलती है कि भेड़िये उन पर भी टूट पड़ते है। अच्छा मर्दो और लड़को का उन्माद और सेक्स की आग उसे जलाएँ तो वो किसी भी लड़की को पकड़ कर बुझा लेंगे। तो एक सवाल पूछना चाहेंगे कि सुना है कभी कि दरिया किनारे या स्विमिंग पूल पर किसी मर्द या लड़के को नहाते देख तीन चार लड़कियाँ आकर्षित होते उस लड़के को जाकर उठा ले गई और रेप कर दिया हो। बिलकुल नहीं सुना होगा....पर क्या लड़कीयों में वो उन्माद या एहसास नहीं होते। उनकी शारिरीक जरूरतें नहीं होती। पर ना ये काम समाज व्यवस्था के खिलाफ़ है, कानून और परंपरा के खिलाफ़ है, ये संस्कारों के खिलाफ़ है। पर यही सारी रवायते उन सांड़ों के लिए क्यूँ लागू नहीं होती। किसने हक दिया अपनी वासना बुझाने के लिए किसी भी लड़की को जबरदस्ती उठाकर रौंदने का। लड़कियों को बचपन से सिखाया जाता है कि अपनी भावनाओं को खुले मन से व्यक्त करना ठीक नहीं, एक गरिमा और अदब सिखाई जाती है। यहाँ एक पुरानी कहानी "चोखेर बाली" याद आ रही है जिसमें एक विधवा अपने पसंदीदा पुरुष के सामने अपनी भावनाओं को खुले मन से समर्पित करती है। वो अपनी शारीरिक जरुरत की अभिव्यक्ति नहीं करती बस निर्मल चाहत को पेश करती है। पर इतनी सी बात के लिए लेखक को गुनहगार के कठघरे में खड़ा कर दिया गया था। यही बात साबित करती है की लड़कियों के लिए बंधन, पाबंदी और मर्यादा की बंदीशे और लड़को को पूरी आज़ादी। घटिया मानसिकता वालें दरिंदों की फ़ितरत को बदलने के लिए कड़े कानून बनाने होंगे तभी जाकर शायद ये वहशीपन रुकेगा। वरना तो ये सिलसिला यूँही चलता ही रहेगा और अब तो घर में घुसकर घरवालों के सामने ही दरिंदे बेटियों की इज़्जत लूटने से नहीं डरेंगे। बलात्कार सिर्फ़ शारिरीक संबध का ही नाम नहीं होता। कहीं भी राह चलते वेधक नज़रों से महिलाओं के वक्ष को घूरते, बस में या ट्रेन में भीड़ का फ़ायदा उठाकर लड़कीयों के गुप्त अंगों को छूने की या दबाने की कोशिश भी एक तरह का बलात्कार ही हुआ। ऐसे हादसों से आहत होने वाली लड़कियाँ या महिला की डर के मारे रूह काँप उठती है। और शर्म के मारे रुआंसी हो उठती है।

सुना है कभी किसी लड़की ने ऐसा किया हो यही बात साबित करती है कि लड़कियों में संयम और तहज़ीब कूट कूटकर भरे है। एक सवाल मन को कचोटता रहता है कि जब बलात्कार करने वालें गुनहगारों के वकील उनको बचाने के लिए ज़मीन आसमान एक करते है तब उनके घर की महिलाएं ये कैसे बर्दाश्त करती होंगी। माना कि उनका ये पेशा है पर क्या एक मासूम की इज़्जत और ज़िंदगी के आगे पेशा सबकुछ हो गया। उस कमाई से बनी रोटी का निवाला कैसे हलक के नीचे उतरता होगा जो एक मासूम की इज़्जत तार-तार करके खून करने कर देने के बाद गुनहगार को बचाने के बदले मिली हो। क्यूँ ऐसी औरते विद्रोह नहीं करती क्या प्रताड़ित की गई लड़की उनकी खुद की नहीं इसलिए।

या तो बलात्कार की घटना को सियासती रंग दे दिया जाता है या केस को दबाने की कोशिश की जाती है। २१ सदी की महिलाओं को सब आज़ाद बोलते है। कहाँ है आज़ादी ? क्या रात के दो बजे कोई अकेली लड़की सड़क पर बिना डर और संकोच के बिंदास घूम सकती है ? बद से बदतर हालात होते जा रहे है। आख़िर कब तक बेटियों कुत्तों के हाथों ज़लिल होती रहेंगी। कहीं बाहर गई हुई बेटी अगर आधा घंटा भी देर से लौटती है तो माँ-बाप की डर और चिंता के मारे हालत खराब होती है। कब माँ बाप अपनी बेटियों को सुरक्षित देखकर राहत की साँस लेंगे। जब-जब ऐसे हादसे होते है तब मन आहत होता है और खून खौल उठता है की चंद पलों की आग बुझाने की ख़ातिर किसी मासूम की ज़िंदगी बर्बाद करते दिल नहीं दहलता ज़ालिमों का। कब अंत होगा वहशीयत का हर माँ-बाप से हाथ जोड़कर बिनती है अपने बेटों को दूसरों की बहन बेटियों की इज़्जत करें ऐसे संस्कार देकर समाज में बेटियाँ बिना डरे सुरक्षित सी घूम फिर सकें उतनी आज़ादी दें।

भावना ठाकर
बेंगुलूरु

दीपावली के पावन पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएँ
रिश्ते तितली जैसे होते हैं जोर से पकड़ो तो मर जाते हैं छोड़ दो तो उड़ जाते हैं अगर प्यार से पकड़ो तो अपना रंग छोड़ जाते हैं।।
सीए सुनील भंडारी
श्रीमती अल्का भंडारी
व्यवसायी व समाजसेवी

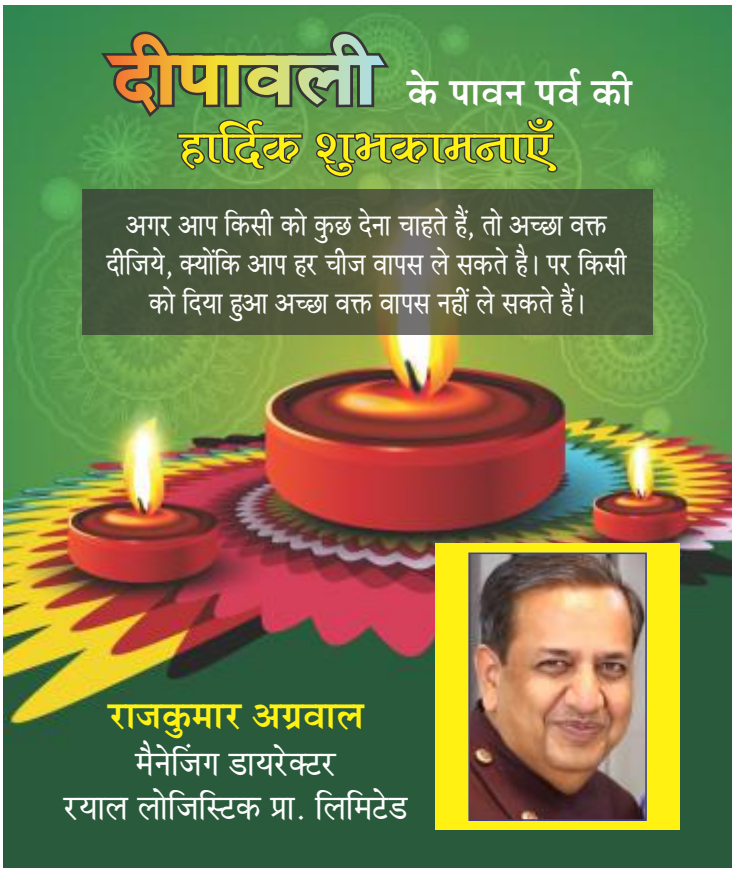
दीपावली के पावन पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएँ
अगर आप किसी को कुछ देना चाहते हैं, तो अच्छा वक्त दीजिये, क्योंकि आप हर चीज वापस ले सकते है। पर किसी को दिया हुआ अच्छा वक्त वापस नहीं ले सकते हैं।
राजकुमार अग्रवाल
मैनेजिंग डायरेक्टर
रयाल लोजिस्टिक प्रा. लिमिटेड

With Best Compliments
From

Kishorilal Fatehchand Charity Trust

45, Maker Chambers III, 223, Nariman Point, Mumbai - 400 021.
Tel.: 022-22830036 • Fax : 022-22852783
Email : fpsons@gmail.com

दीपावली के पावन पर्व की

हार्दिक शुभकामनाएँ

दीपावली

रोशनी के इस पावन पर्व पर, रंगोली भर दे आपके जीवन में
नए रंग, पटाखों का शोर जगाये मन में नयी उमंग,
मुबारक हो दिवाली आपको अपनों के संग

किशोरीलाल झुनझुनवाला व्यवसायी व समाजसेवी

दीपोत्सव की परंपरा

प्रकाश पर्व दीपावली हिन्दू धर्म का सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण त्योहार माना जाता है। हमारे शास्त्रों में दीपावली मनाने के अलग-अलग कारण बताए गए हैं। आम जनमानस दीपावली मनाने का कारण राम के १४ वर्ष का वनवास पूरा करके अयोध्या लौटने से मानता है। कुछ लोग राम के वनवास से लौटने को तो इसका कारण मानते ही हैं साथ ही साथ समुद्र मंथन द्वारा लक्ष्मी के प्रकट होने को भी इसका एक प्रमुख कारण मानते हैं। लेकिन दीपावली का यह त्योहार इसके अतिरिक्त शास्त्रों के अनुसार युगों की अन्य अनेक महत्वपूर्ण घटनाओं का भी साक्षी रहा है। कार्तिक मास की अमावस्या तिथि को माता लक्ष्मी का अवतरण समुद्र मंथन द्वारा धरती पर हुआ था। दीपावली के त्योहार को मनाने का सबसे खास कारण यही है।

दीपावली के इस त्योहार को माता लक्ष्मी के स्वागत के रूप में मनाते हैं और हर घर को सजाया-सँवारा जाता है जिससे माँ का आगमन हो सके। इस घटना का उल्लेख हमारे शास्त्रों में मिलता है। कहा जाता है कि इस दिन भगवान विष्णु ने वामन अवतार लेकर राजा बलि से माता लक्ष्मी को मुक्त करवाया था।

रामायण के अनुसार इस दिन जब भगवान रामचन्द्रजी, सीताजी और भाई लक्ष्मण के साथ १४ वर्ष का वनवास पूरा करके अयोध्या वापस लौटे थे। उनके इस वनवास वापसी की खुशी में उनके स्वागत के लिये पूरी अयोध्या को दीप जलाकर प्रकाशमान किया गया था। इस अवसर को दीपावली का त्योहार मनाने का प्रमुख कारण माना जाता है।

नरकासुर के आधिपत्य से १६००० स्त्रियों को श्रीकृष्ण ने नरकासुर का वध कर इसी दिन मुक्त करवाया था। इसी खुशी में दीपावली का त्यौहार दो दिन तक मनाया गया और इसे विजय पर्व का नाम दिया गया।

महाभारत में वर्णित जानकारी के अनुसार कौरव और पांडव के बीच होने वाले चौसर के खेल में जब पांडव हार गए, तो उन्हें १२ वर्ष का अज्ञातवास का निर्णय दिया गया था। इस १२ वर्ष के वनवास को पांडव बंधु पूरा कर इसी दिन वापस लौटे थे। लौटने की इस खुशी में दीप जलाकर हर्षोल्लास के साथ दीपावली का उत्सव मनाया गया था।

राजा विक्रमादित्य के राजतिलक के शुभ प्रसंग को भी इसी दिन से जोड़कर देखा जाता है। कहते हैं कि इसी दिन राजा विक्रमादित्य का राजतिलक सोल्लास सम्पन्न हुआ था। इस कारण से दीपावली का महत्त्व सर्वाधिक रूप से बढ़ गया।

आर्य समाज की स्थापना भी आज ही के दिन स्वामी दयानंद सरस्वती द्वारा की गई थी। आर्य समाज इस पर्व को महत्त्वपूर्ण दिवस के रूप में मनाता है।

दीपावली का दिन जैनियों के लिए भी प्रमुख रूप से महत्वपूर्ण है। इस पर्व को जैन सम्प्रदाय भगवान महावीर जी के मोक्ष दिवस के रूप में हर्ष के साथ मनाता है। जैन धर्मावलंबियों का मानना है कि कार्तिक मास की अमावस्या को ही भगवान महावीर को मोक्ष प्राप्त हुआ था। भगवान महावीर जैनियों में सर्वाधिक पूज्यनीय हैं। महावीर की शिक्षाओं से हर किसी को नई राह मिलती है। भगवान महावीर को केवल जैन संप्रदाय में ही नहीं बल्कि संपूर्ण भारतीय समाज में प्रमुख स्थान प्राप्त है।

दीपावली का त्योहार सिख धर्म के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है। सिख धर्म के तीसरे गुरु अमरदास जी ने इस दिन को लाल पत्र दिवस के रूप में मनाया था। इस दिन सिख समुदाय के सभी श्रद्धालु गुरु से आशीर्वाद लेने पहुँचे थे। दीपावली के ही दिन सन १५७७ में अमृतसर के हरिमंदिर साहिब का शिलान्यास भी दीपावली के दिन ही किया गया था।

दीपावली के दिन की एक प्रमुख घटना थी - सन १६१९ में सिख गुरु हरगोबिन्द जी को ग्वालियर के किले में ५२ राजाओं के साथ मुक्त किया जाना। इसलिए इस पर्व को सिख समाज बंदी छोड़ दिवस के रूप में भी मनाता है। सिख समुदाय के इन राजाओं व हरगोबिंद सिंह जी को मुगल शासक जहाँगीर ने नजरबंद किया था।

आर्थिक रूप से भी दीपावली के त्यौहार की अपनी अलग पहचान है। यह त्यौहार भारत में खरीदारी की एक प्रमुख अवधि का प्रतीक माना जाता है। आर्थिक गतिविधियों के रूप में यदि विश्लेषण करें तो दीपावली क्रिसमस के त्यौहार के बराबर है। इस पर्व पर नए कपड़े, घर के सामान, उपहार, सोने और अन्य बड़ी ख़रीदारी किया जाता है। इस त्योहार पर खर्च करने और खरीदने का त्योहार के रूप में देखा जाता है। इस अवसर पर खर्च और खरीद को शुभ माना जाता है, क्योंकि लक्ष्मी को धन, समृद्धि और निवेश की देवी के रूप में माना जाता है। दीपावाली के अवसर पर भारत में सोने और गहने की खरीद का सबसे बड़ा सीजन होता है। दीपावली के दौरान मिठाई और आतिशबाजी की ख़रीद भी अपने चरम पर रहती है। ऐसा अनुमान है कि हर वर्ष दीपावाली के समय कई हजार करोड़ रुपए के पटाखों आदि की विक्री होती है।

अंधकार पर प्रकाश की विजय का यह प्रकाश पर्व भारतीय समाज में उल्लास, भाई-चारे और प्रेम का संदेश प्रकट करता है। यह सामूहिक व व्यक्तिगत तरह से मनाए जाने वाला ऐसा प्रमुख पर्व है जो धार्मिक, सांस्कृतिक व सामाजिक विशेषता रखता है। हर प्रांत या क्षेत्र में दीपावाली मनाने के कारण एवं तरीके अलग हैं पर सभी जगह कई पीढ़ियों से यह त्योहार चला आ रहा है।

पूनम दिपक शिन्दे
शिक्षिका, मुंबई

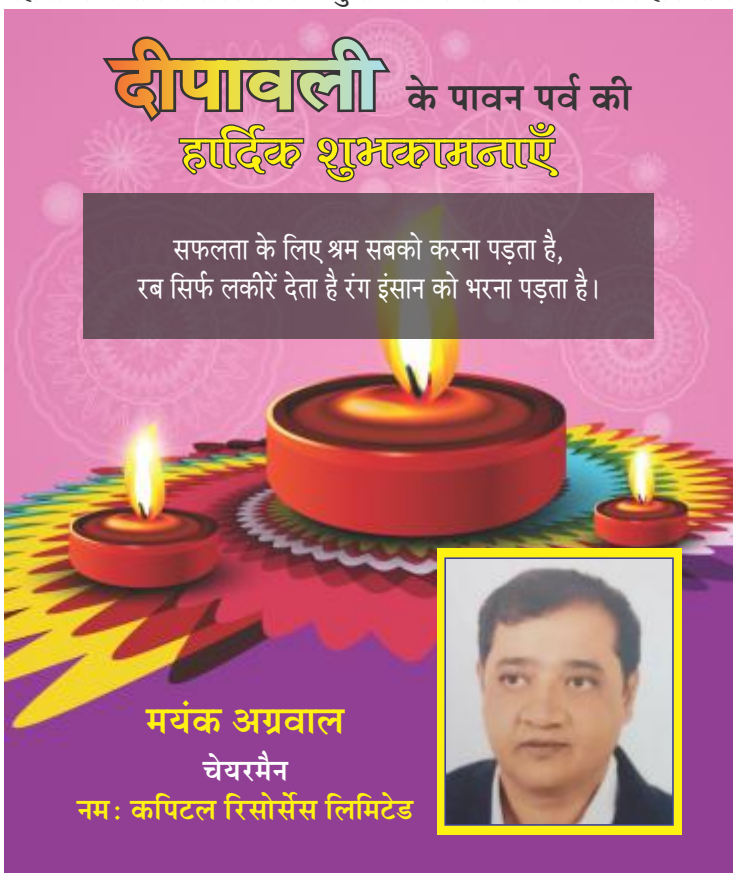

फिर से दीप जलाए।

भरी दुपहरी में अँधियारा, सूरज परछाईं से हारा
अंतरतम का नेह निचोड़ें, बुझी हुई बाती सुलगाएँ
आओ फिर से दिया जलाएँ ।

हमारे पूर्व प्रधानमंत्री मा. श्री अटलबिहारी वाजपेयी जी की ये पंक्तियाँ आज की परिस्थिति में बडी मार्गदर्शक हैं।

संस्कृति में दीपावली का पर्व हमें अंधकार से प्रकाश की ओर जाने की प्रेरणा देता है। भगवान श्रीराम द्वारा असुरराज को समाप्त कर अयोध्या लौटने की खुशी में यह पर्व मनाना शुरू हुआ था।

दिवाली अंधकार और प्रकाश की अद्भुत आंख-मिचौली का लोक उत्सव है। कार्तिक मास की अमावस्या की रात को मनाए जाने वाले इस उत्सव में दीये जलाए जाते हैं। घने अंधकार वाली इस काली रात में प्रकाश की तलब ज्यादा होती है। प्रकाश ऊर्जा का स्नोत है। सूर्य की रश्मियां और अग्नि के स्फुलिंग में जीवन का सार जानकर मनुष्य ने प्रण किया कि "अंधकार से डरना नहीं है, उसे चुनौती देना है।" इसी भाव को स्थापित करना दिवाली के उत्सव का मूल प्रयोजन है। यह उत्सव मनुष्य की आत्मिक शक्ति के संधान का आह्वान करता है।

हम पड़ाव को समझे मंज़िल, लक्ष्य हुआ आँखों से ओझल
वर्तमान के मोहजाल में आने वाला कल न भुलाएँ,
आओ फिर से दिया जलाएँ ।।

मनोविज्ञान के अनुसार दिवाली की शुभ कामनाएँ हमारी आत्म-छवि को सुधारती है इससे हमें अपने पर भरोसा बढता हैं। स्वयं को महत्वपूर्ण समझते है। हमारी दक्षता बढती है अर्थात हमारी कार्य निश्पादन में क्षमता बढती हैं। इन सबसे हीनताग्रन्थि कमजोर होती हैं। अर्थात दीवाली की शुभकामनाएँ दिल से देने में ही सार्थकता हैं। इसको मात्र स्वार्थवश देने में ह्रास है यह औपचारिकताओं ,पाखण्ड व बाजारवाद का त्योहार नहीं हैं। यह भावजगत का त्योहार दिल का दिलो से जुडनेका त्योहार हैं। वस्तुत: दिल से शुभकामनाएँ देने का बडा महत्व है। आधुनिक विज्ञान के अनुसार विचारों की सबसे छोटी ईकाई थॉट्ट्रॉन है। ये थॉट्ट्रान एवं विचार ही हमारे सूक्ष्मशरीर एवं आभा मंड़ल बनाते है। दूसरी भाषा में कहे तो शुभकामानाओं के अपने कम्पन होते है। ये कम्पन अच्छी भावनाओं को मजबूत करते है। इससे हमारी दिव्यता में ,प्रेम में व्रद्वि होती हैं । हमारा आभामंडल पवित्र होता हैं।

दीप प्रज्ज्वलित कर अंधकार को मिटाकर प्रकाशमान वातावरण का निर्माण किया जाने का समारोह दीपावली है । दीपावली पर्व पर स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग कर के स्वयंपूर्ण अभियान को बढावा हम जरूर देंगे । वायु मंडल को प्रदूषण से बचाने की कोशिश जारी रखेंगे। ईश्वर ने मनुष्य को अशक्त और असमर्थ नहीं बल्कि सर्व समर्थ बनाया। तो समर्थता कृती तथा विचारोसे दर्शाते हैं।

दिवाली का संबंध ऋतु-परिवर्तन और खेती-किसानी से भी है। देश काल की दृष्टि से आमजन या कहें कि गृहस्थों के इस उत्सव के साथ एक भौतिक-सामाजिक गतिशीलता का भी एक पक्ष जुड़ा हुआ है जिसमें समाज के हर वर्ग के लोग शामिल होते हैं। इसका सीधा रिश्ता ऋतु-परिवर्तन और खेती-किसानी से भी है। वर्षा ऋतु की समाप्ति और शरद ऋतु के आरंभ के साथ मौसम नए संकेत देता है और नई तैयारी के लिए आमंत्रण मिलता है। खरीफ की फसल तैयार होने से किसान भी समृद्धि का अनुभव करता है।

एक तरह से यह उत्सव सृष्टि-चक्र के संगीत का एक राग है जिसमें सबकी भागीदारी होती है। इस राग के गायन में मनुष्य, पशु-पक्षी, संध्या-प्रभात, दिन-रात सबकी संगति और लय के साथ अपनी-अपनी भूमिका होती है। सभी अपने को नए आरंभ के लिए तैयार करते हैं। कहते हैं कि १४ वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या लौटने पर पुरवासियों द्वारा दीप जलाकर उनका भव्य स्वागत किया गया। अब फिर अयोध्या में दीपोत्सव की भव्य परंपरा शुरू हुई है जिसमें कई लाख दीयों के साथ भगवान राम का स्मरण किया जाता है। पांडवों की वनवास से वापसी की भी यही तिथि मानी जाती है। नरकासुर और हिरण्यकश्यप जैसे दुष्ट राक्षसों का वध और समुद्र-मंथन से वैद्यराज धन्वंतरि के प्रकट होने की कथा भी दिवाली पर्व से जुड़ी हुई है।

दिवाली का पर्व संपन्नता का प्रतीक और अर्थ की साधना का अवसर माना जाने लगा है। विकास के नाम पर आज एक विराट उपभोक्ता संस्कृति मुंह बाएं खड़ी हो रही है जिसमें बाजार का वर्चस्व है। हावी होते अंधकार के चलते आज तृष्णा और लोभ के वशीभूत लोग मोह और लिप्सा में फंसते जा रहे हैं। इसके साथ अनावश्यक वस्तुओं की भूख बढ़ रही है।

इतिहास साक्षी है कि अंधकार के साथ मनुष्य का संघर्ष सतत चलता रहा है। प्रकाश का मूल्य गहरे अंधकार के क्षणों में पता चलता है जब राह नहीं सूझती, इधर-उधर पैर पड़े तो ठोकर लगती है और हम अपने गंतव्य तक नहीं पहुंच पाते। हमारा सामाजिक जीवन भी कुछ ऐसी ही यात्रा है जिसमें विवेक का आलोक चाहिए। इस आलोक की सहायता से हमें सदाचार के पथ पर अग्रसर होने में सहायता मिलती है।

आहुति बाक़ी यज्ञ अधूरा अपनों के विघ्नों ने घेरा
अंतिम जय का वज्र बनाने नव दधीचि हड्डियाँ गलाएँ
आओ फिर से दिया जलाएँ ।

दीपावली के लौकिक कार्यों के पीछे अध्यात्म दीपावली पर्वों का एक पूंज है। यह त्यौहारों का राजा है। दीवापली के पर्व पर किये जाने वाले कृत्य लौकिक रूप से महत्वपूर्ण एवं आवश्यक है। साथ ही इनका प्रतिकात्मक आध्यात्मिक महत्व व अर्थ बहुत गहरे हैं। सही मायने में दीपावली एक आध्यात्मिक त्यौहार है। लौकिक कर्म के आध्यात्मिक अभिप्राय को ध्यान में रखकर दीपावली मनाने की राह आजमाके देखते हैं।

लौकिक कर्म - घर की साफ-सफाई करना , नये वस्त्र, बर्तन,आभूषण , मिठाई खाना और खिलाना, दीपक जलाकर प्रकाश फैलाना

आध्यात्मिक अर्थ- मन की सफाई करना अर्थात् अपने अन्दर काम,क्रो ईष्र्या आदि विकारों को कम करना, व्यक्तित्व विकास हेतु नये सद्गण विकसित करनाखरीदना, स्वयं आनन्द में रहना और दूसरों को आनन्दित करना, ज्ञान का प्रकाश भीतर पैदा करना अर्थात् होश मे जीना।

तो चलिए इस दीपावली पर सकारात्मक आध्यात्मिक अर्थ की राह पर खुद को ले चलते हैं।

पल्लवी मुजुमदार- कुलकर्णी व सतीष अग्रवाल

...के. एस. फाउंडेशन द्वारा जनविचारार्थ जारी...

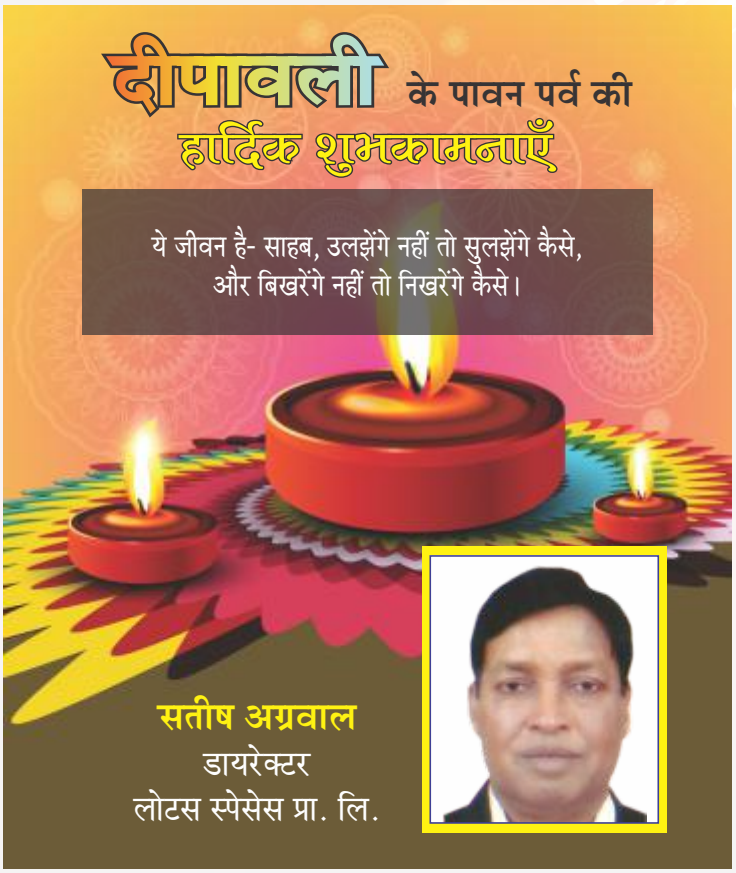

EDS CARGO & LOGISTICS
EDS INTERNATIONAL PVT. LTD.

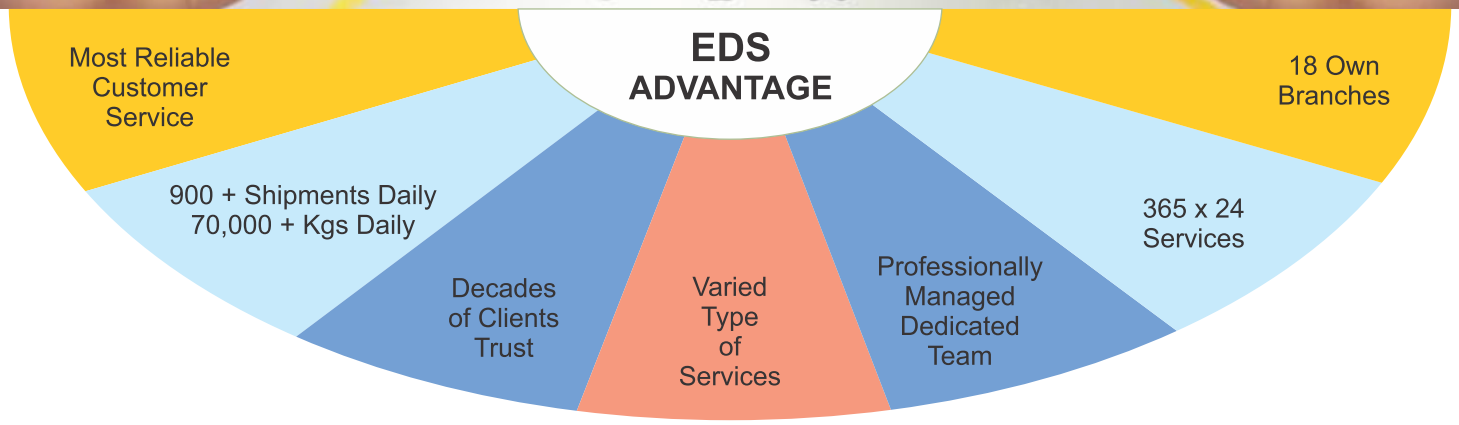

Our Branches

• Mumbai (HO) • Delhi • Bangalore • Chennai • Kolkata • Ahmedabad • Hyderabad • Pune
• Coimbatore • Indore • Jaipur • Nagpur • Goa • Guwahati • Lucknow • Cochin • Bagdogra • Chandigarh

Corporate Office

107, Windfall, Sahar Plaza Complex, Andheri-Kurla Road, Opp. J. B. Nagar, Andheri (East), Mumbai - 400 059.
Tel.: 022-6817 1000 | Fax : 022-6817 1099

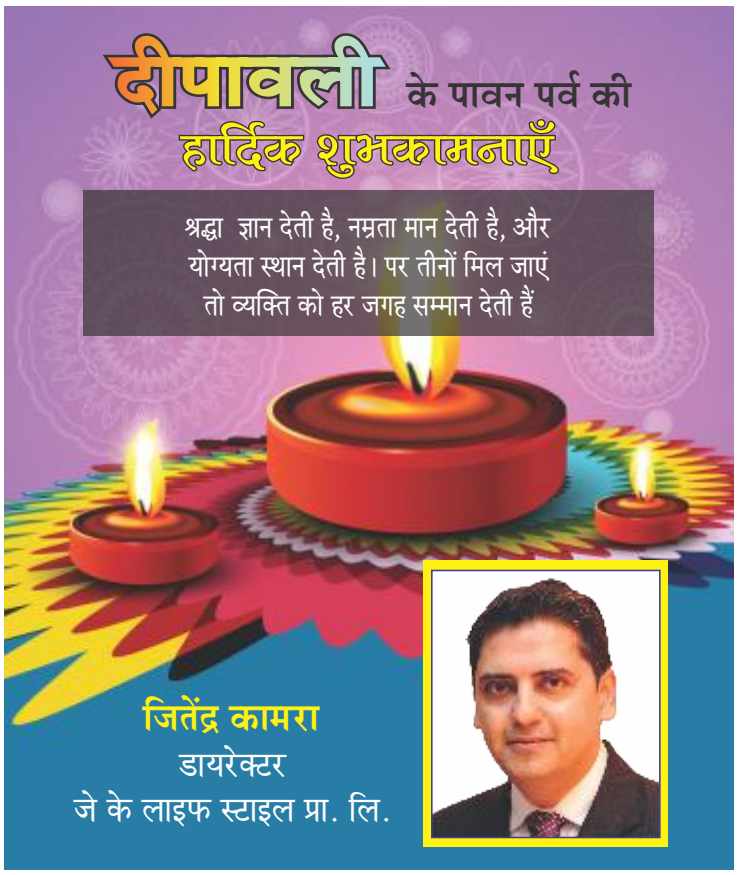

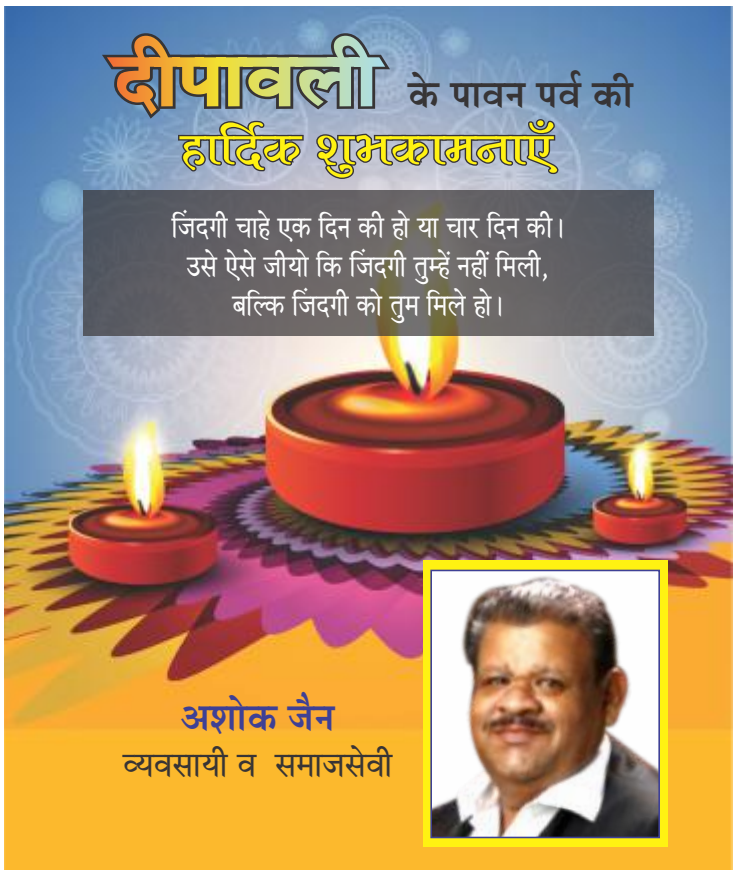

आदमी का प्यार दो

बलवंत
सोनभद्र, उत्तर प्रदेश

वतन की आन के लिए, नये बिहान के लिए।
नयी उमंग से भरी नयी उड़ान के लिए।
देश भक्ति भाव से भरे हुए विचार दो।
मन की राग-रश्मियों को चेतना की धार दो।
गीत को ग़ज़ल, ग़ज़ल को गीत का श्रृंगार दो।
आदमी हो, आदमी को, आदमी का प्यार दो।
जल रही जमीं, तपिश से जल रहा है बाग-वन।
आँसुओंमें बह रहा लहू यहाँ नयन-नयन।
सुबक रही कली-कली, सिसक रहा हर एक सुमन।
देखकर दशा वतन की हो रहा विदीर्ण मन।
मृदुवचन,मृदुल नयन से फिर उन्हें पुकार दो।
गीत को ग़ज़ल, ग़ज़ल को गीत का श्रृंगार दो।
आदमी हो, आदमी को, आदमी का प्यार दो।
देख लो नज़र उठाके जंग हर तरफ छिड़ी।
स्वार्थवृत्ति सामने है रक्त के लिए अड़ी।
माँ बिलख रही,बहन कराहती खड़ी-खड़ी।
चीखती है पालने में लाडली पड़ी-पड़ी।
साधना की अंजलि से आरती उतार दो।
गीत को.गज़ल, ग़ज़ल को गीत का श्रृंगार दो।
आदमी हो, आदमी को, आदमी का प्यार दो।
साँस कब, कहाँ रूके, नहीं किसी को कुछ पता।
किस भँवर में कौन, कब, कहाँ पर होगा लापता।
मोड़ पर ही छोड़कर, कोई कहेगा अलविदा।
कौनजानता है कब टूटेगा सारा वास्ता।
सृजन की कल्पना को नित नये-नये आकार दो।
गीत को ग़ज़ल, ग़ज़ल को गीत का श्रृंगार दो।
आदमी हो, आदमी को, आदमी का प्यार दो।

क्षणिकाएँ

असंख्य भावों सी जलती दीप माला,
धरा से आस्मां तक है प्रजलवित,
दूर करती तमस भयावह
बिना अंशु की मुस्कराहट के भी,
है ना सामर्थ्य दूर करने की,
पर क्यूँ किसी के अंतर्मन
का कोना ख़ाली
नीरस ख़ामोश सा रहे,
क्यूँ नहीं अज्ञान,स्वार्थ,असहिष्णुता
होम कर देते,
जो बिखराता है हर पल
क्षुद्रता और घूमता है यायावर बन,
मन मस्तिष्क में घुमड़ता
छीनता है पावन मन की अतुल सम्पदा,
जो भरतीं है उजास शरीर से आत्मा तक,
क्यूँ नहीं खिलाते मानवता पुहुप
जिसकी संदल सी ख़ुशबू
भर दे जीने के लिए स्वाँस और एक दिया
मन का जला फैला दे जीवन कानन में
भोर की लालिमा सा और मुस्कुरा उठे
संसार का कोना कोना,
तुम भी महसूस कर सको कि
तुम वास्तव में मानव ही हो।

सवि शर्मा
देहरादून

असहमति

जाने कैसे स्वीकार कर लेते हैं लोग
अश्लील दृश्य, फूहड़ गाने
बजबजाते नाले
सड़कों की बुझी बत्तियाँ
एसिड अटैक, घरेलू हिंसा और
रिश्वत का बाजार ....।
आदमी जब कुछ नहीं करना चाहता
तब इसे अपनी नियति मानकर
अपनी पीठ दिखा देता है
जबकि कुछ जुझारु लोग
थाम लेते हैं झण्डा अस्वीकृति का और
चीख पड़ते हैं-बंद, हड़ताल इन दिनों लोगों को
इन समस्याओं के साथ
चैन से जीना सीखा दिया गया है ।
अपने काम से मतलब रखो मानो आदमी अब
आदमी नहीं रह गया हो उसने
गले मे लटका रखी है एक तख्ती
जिस पर लिखा है-मुझे क्या करना है?
मेरा क्या जाता है? ऐसा सोचते हुए
मोहल्ले के साथ
उसका मकान भी जल जाता है और
गाँव के साथ उसका घर भी बिक जाता है ।

रमेश कुमार सोनी
बसना, छत्तीसगढ़

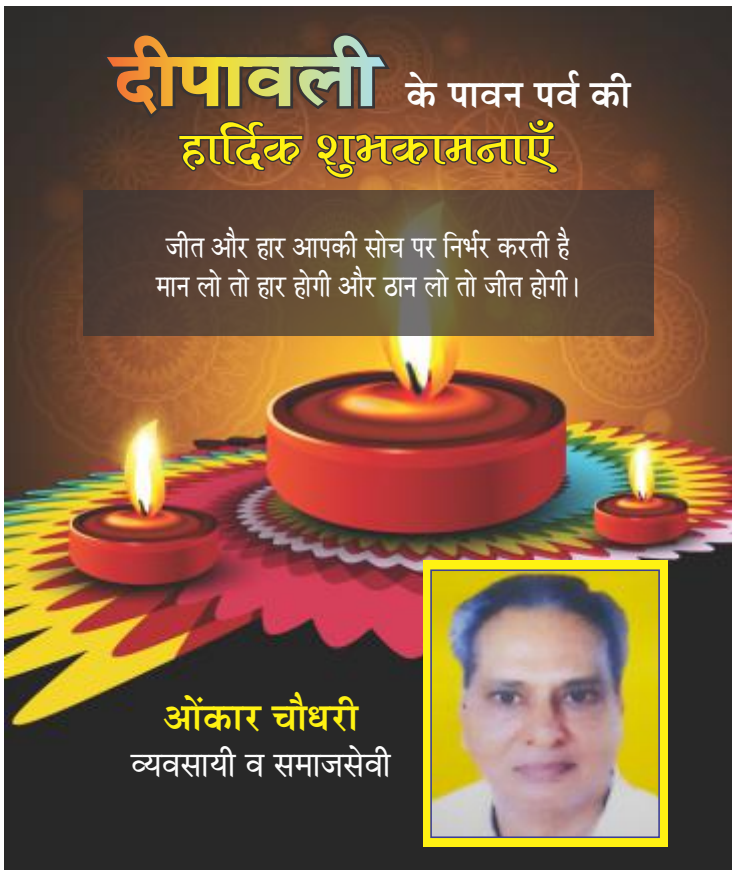

दीपावली के पावन पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएँ
रोशनी के इस पावन पर्व पर, रंगोली भर दे आपके जीवन
में नए रंग, पटाखों का शोर जगाये मन में नयी उमंग,
मुबारक हो दिवाली आपको अपनों के संग
नवीन अग्रवाल
व्यवसायी व समाजसेवी

Best Wishes

RPR Metallics

Challenges are gifts that force us to search
For a new center of gravity. Don't fight them.
Just find a new way to stand.
- Oprah Winfrey

दीपावली के पावन पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएँ

दीपक तो अँधेरे में जला करते हैं फूल तो काँटों में
खिला करते हैं थक कर न बैठ ये मंजिल के मुसाफिर
हीरे अक्सर कोयले में मिला करते हैं

विजय बाँकड़ा
मैनेजिंग डायरेक्टर
सिनकोन फॉरमुलेशन (इंडिया) लिमिटेड

दीपावली के पावन पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएँ

आपकी खुशियों में वो लोग शामिल होते हैं, जिन्हें आप चाहते हैं,
और आपके गमों में वो लोग शामिल होते हैं, जो आपको चाहते हैं।

डॉ. मोहिंदर टिकिया
डायरेक्टर
कमल फैब्रीक्स प्रा. लि.

अग्रोहा विकास ट्रस्ट समिति -४ ने मनाया महाराजा श्री अग्रसेनजी जयंती

१७ अक्टूबर को सांताक्रुझ स्थित अग्रसेन महाराजा चौक पर संस्था के अध्यक्ष दिनेश गुप्ता की अध्यक्षता में महाराजा श्री अग्रसेनजी जयंती मनाई गई। इस अवसर पर समिति के सेक्रेटरी भूपेंद्र गुप्ता, समाजसेवी श्रीधर गुप्ता, हर्षवर्धन अग्रवाल, ओंकार चौधरी सुभाष पोद्दार, सुशील अग्रवाल, विरेंद्र गुप्ता ने महाराजा श्री अग्रसेनजी की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। संस्था की तरफ से उपस्थिति लोगों में मास्क वितरित किया गया। इस अवसर पर ओंकार चौधरी ने महाराजा श्री अग्रसेनजी के सम्मान में कविता प्रस्तुत की जिसे सभी ने भरपूर सराहा।

प्रभात कॉलनी, सांताक्रुझ स्थित महाराजा श्री अग्रसेनजी चौक जो तूफान के कारण गिर गया था। उसका जीर्णोद्धार अग्रोहा विकास ट्रस्ट समिति नं ४ की तरफ से किया गया, जो अपने आप में सराहनीय कार्य है। सभी सदस्यों ने इसके लिए अध्यक्ष दिनेश गुप्ता को धन्यवाद दिया।

तितली है खामोश !

बदल रहे हर रोज ही, हैं मौसम के रूप!
ठेठ सर्द में हो रही, गर्मी जैसी धूप!!
सूनी बगिया देखकर, तितली है खामोश!
जुगनूं की बारात से, गायब है अब जोश!!
दें सुनाई अब कहाँ, कोयल की आवाज़!
बूढा पीपल सूखकर, ठूंठ खड़ा है आज!!
जब से की बाजार ने, हरियाली से प्रीत!
पंछी डूबे दर्द में, फूटे गम के गीत!!
फीके-फीके हो गए, जंगल के सब खेल!
हरियाली को रौंदती, गुजरी जब से रेल!!
नहीं रहें मुंडेर पर, तोते-कौवे -मोर!
लिए मशीनी शोर है, होती अब तो भोर!!
सूना-सूना लग रहा, बिन पेड़ों के गाँव!
पंछी उड़े प्रदेश को, बांधे अपने पाँव!!
हरे पेड़ सब कट चलें, पड़ता रोज अकाल!
हरियाली का गाँव में, रखता कौन ख्याल!!
वाहन दिन भर दिन बढ़ें, खूब मचाये शोर!
हवा विषैली हो गई, धुंआ चारों ओर!!
बिन हरियाली बढ़ रहा,अब धरती का ताप!
जीव-जगत नित भोगता, प्राकृतिक संताप!!
जीना दूबर है हुआ, फैलें लाखों रोग!
जब से हमने है किया, हरियाली का भोग!!

डॉ. सत्यवान सौरभ
नई दिल्ली

गाँव के दोहे

कितना मोहक,नेहमय, लगता प्यारा गाँव ।
हनमत-मंदिर सिद्ध है,बरगद की है छाँव।।
रज़िया-राधा हैं सखी,मित्र राम-रहमान।
सारे मिलकर पूजते,गीता और कुरान ।।
जुम्मन-अलगू शेख हैं,बने अभी भी यार ।
संस्कार तो दे रहे,ख़ूब वहाँ उजियार।।
ताल,तलैयां,बावड़ी,हैं अब भी आबाद।
गाँवों में सद्भाव तो,अब भी ज़िदाबाद।।
हमें हमारा गाँव नित,देता है अति प्यार।
हमको वह प्यारा लगे,लगे पूर्ण संसार।।
दीवाली और ईद पर,मिल बाँटें सब भोग।
हर नारी की लाज को,रक्षित करते लोग।।
नहीं प्रदूषण,शोरगुल,शांत दिखे परिवेश।
सारे लोगों में पले,करुणा का आवेश।।
खेत और खलिहान हैं,गाय और गोपाल।
अब भी तो आबाद हैं,पंचायत,चौपाल।।
लोकनृत्य,संगीत है,मस्ती के त्यौहार।
मेरा प्यारा गाँव तो,है मुझको उपहार।।
हरियाली के गीत हैं,अनगिन हैं उद्यान।
ऊँचनीच का भाव ना,है हर इक का मान।।
गाँव हमारा स्वर्ग-सा,है सुख का संसार।
नगरों से बहतर "शरद",गाँवों की जयकार।।

प्रो(डॉ) शरद नारायण खरे
मंडला,मध्यप्रदेश

दीपावली के पावन पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएँ

सिर्फ आसमान छू लेना ही कामयाबी नहीं है।
असली कामयाबी वह है जो आसमान भी छू लो
और पांव भी जमीन पर रहे।

निरंजन झुनझुनवाला
डायरेक्टर
रिद्धी सिद्धी डेव्लपर्स

दीपावली के पावन पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएँ

हमें किसी भी खास समय के लिए इंतजार नहीं
करना चाहिए बल्कि अपने हर समय को खास बनाने
के लिए पूरी तरह से कोशिश करनी चाहिए।

अनूपकुमार चंदाराणा
व्यवसायी व समाजसेवी

शुगर-फ्री काजू कतली

मिठाई के बिना हर त्योहार सूना लगता है। मगर ज्यादा मीठा खाने से वजन बढ़ने और डायबिटीज की शिकायत का सामना करना पड़ सकता है। इसके साथ ही जो पहले से इससे पीड़ित है, उन्हें शुगर बढ़ने की परेशानी हो सकती है। ऐसे में आपको अपनी मनपसंद मिठाई खाने पर कंट्रोल करने की जरूरत नहीं है। आप घर पर आसानी से शुगर- फ्री मिठाई बना सकते हैं। तो चलिए काजू कतली बनाने की रेसिपी बताते हैं...

सामग्री : काजू- १ कप (पिसा हुआ), शुगर फ्री- ५-६ बड़े चम्मच, केसर के लच्छे- ५-६, इलायची पाउडर- १/२ चम्मच, पानी- आवश्यकतानुसार, चांदी का वर्क- गार्निश के लिए

विधि :

१. सबसे पहले एक पैन में पानी, शुगर- फ्री मिलाएं।
२. शुगर- फ्री घुलने के बाद इसमें इलायची पाउडर डालकर मिश्रण गाढ़ा होने तक पकाएं।
३. अब काजू पेस्ट डालकर धीमी आंच पर चलाते हुए पकाएं।
४. मिश्रण तैयार होने पर गैस बंद कर इसे ठंडा होने दें।
५. अब एक प्लेट में घी लगाकर मिश्रण फैलाएं।
६. मिश्रण के जमने पर चाकू की मदद से इसे डायमंड शेप में काट लें।
७. लीजिए आपकी काजू कतली बन कर तैयार है।
८. इस पर चांदी वर्क लगाकर सर्विंग प्लेट में डालकर सर्व करें।

लंच में बनाकर खाएं भिंडी दो प्याजा

लंच में अक्सर लोग सब्जी खाना पसंद करते हैं। ऐसे में अगर भी भिंडी खाने के शौकिन है तो आज भिंडी दो प्याजा ट्राई कर सकते हैं। यह खाने में टेस्टी होने के साथ बनाने में भी बेहद आसान होगी। तो चलिए जानते हैं इसे बनाने की रेसिपी...

सामग्री :

भिंडी- ५०० ग्राम, जीरा- १ चम्मच, अदरक- १ इंच (कद्दूकस किया), प्याज- २ (बारीक कटा), हल्दी पाउडर- १/२ चम्मच, नमक- स्वादानुसार, लाल मिर्च पाउडर- स्वादानुसार, तेल- ३ चम्मच

विधि :

१. सबसे पहले भिंडी को धोएं और सुखाकर एक इंच लंबे टुकड़ों में काटें।
२. एक पैन में तेल गर्म कर जीरा भूनें।
३. फिर इसमें प्याज और अदरक डालकर धीमी आंच पर पकाएं।
४. तैयार मिश्रण में भिंडी, नमक, हल्दी पाउडर और लाल मिर्च पाउडर डालकर मिलाएं।
५. धीमी आंच पर भिंडी को पकाएं और गैस बंद कर दें।
६. लीजिए आपकी भिंडी दो प्याजा बनकर तैयार है। इसे रोटी, परांठे या नान के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

प्रस्तुति - श्रीमती शकुंतला धनराज मिश्रा

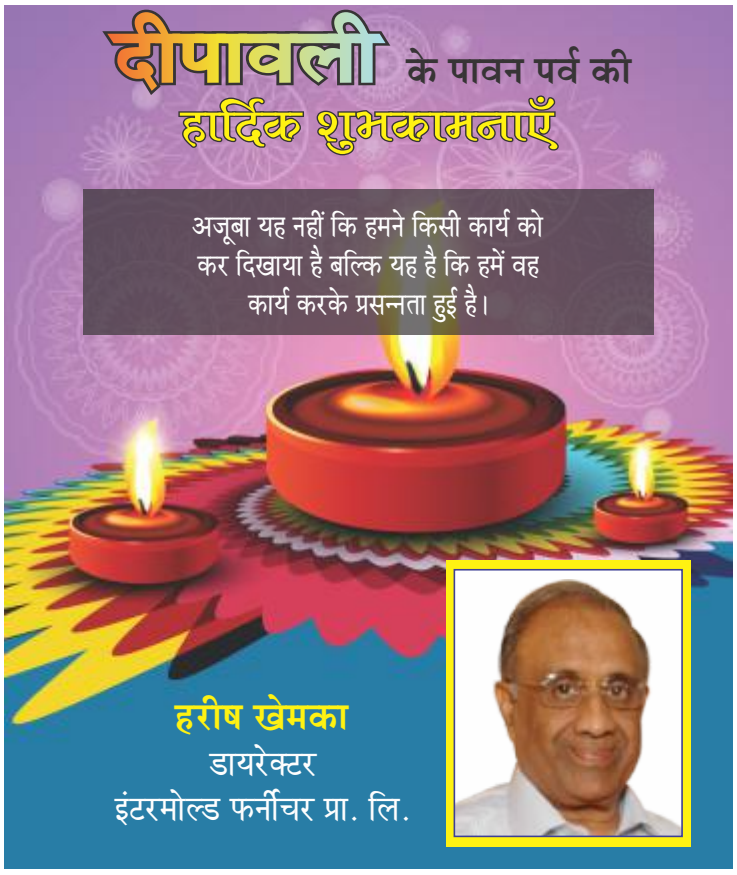

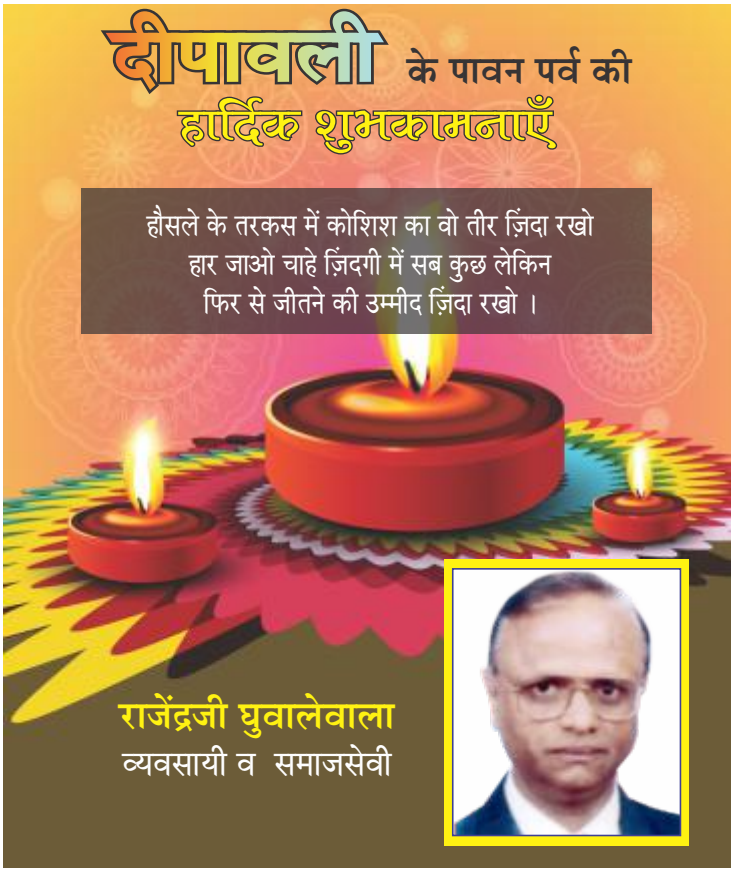

ये जो समाज के दीपक हैं - डॉ. वासुदेव कार्लेकर

सदैव मुस्कुराता हुआ चेहरा, आँखों में प्रेम, विश्वास और आशा की चमक–ये हैं डॉ. वासुदेव कार्लेकर। उम्र की कोई थकान, या निराशा, इनके व्यक्तित्व में नहीं. सत्तर वर्षीय डॉ साहिब, एक अनोखी मिसाल हैं, अजीब शक्ति के स्वामी, जिन्होंने जीवन में निराश होना और हारना नहीं सीखा।

साधारण परिवार में जनम होने के उपरान्त भी, इन्होने अपनी मेहनत और लगन से, ग्वालियर से एमबीबीएस की डिग्री प्राप्त की और फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। प्रतिभाशाली छात्र होने के कारण इन्हें, स्कालरशिप भी मिली। सेवा की शुरुआत इन्होने आर्मी में कप्तान के रूप में की। इसके पश्चात,एसीसी सीमेंट कंपनी में मेडिकल अफसर के रूप में काम किया।

जीवन सभी के लिए फूलों की सेज नहीं होता. पर डॉ साहब की तुलना, खिले गुलाब के फूल से की जा सकती है। जब भी मेरा उनसे संपर्क हुआ, उनका हर कार्य, हर कदम, मुझे बहोत ही प्रेरक लगा। मेरी जब उनसे मुलाक़ात कटनी मध्य प्रदेश में हुई, तो मैंने देखा, रात हो या दिन, सुबह हो या शाम, डॉ साहब किसी भी समय, साइकिल, स्कूटर, कार या पैदल, मरीज़ों को देखने चले जाते। रातका घोर अँधेरा भी उन्हें उनके काम से पीछे नहीं हटा सकता.

मज़दूर कामगार लोगों के लिए ये व्यक्ति, ईश्वर से कम नहीं. दूसरी बार जब मेरी मुलाक़ात उनसे नाशिक में हुई, उनके साथ स्टेशन–सब्जी बाजार जाने का मौका मिला। देखा कितने ही सब्जी वाले,छोटे छोटे दूकान वाले, भाग भाग कर उनके पैर छूने की कोशिश कर रहे थे, उसी समय मैं समझ गयी, की ये व्यक्ति, अपना जीवन, दूसरों को स्वस्थ रखने और मदद करने में व्यतीत कर रहे हैं।

आसपास रहने वाले सभी लोग उन्हें अपना मानते हैं। उनका दरवाज़ा सबकी मदद के लिए हमेशा खुला रहता है. बिल्डिंग में काम करने वाले चौकीदार, माली, कामवालियां, सभी उनके अपने हैं. बैंक में उनके खाते खुलवाना, उनके बच्चों की पढाई के लिए उनका मार्गदर्शन करना, उनका रुटीन हैं। गणेश उत्सव, दुर्गा पूजा, सभी कार्य क्रमों में उनका योगदान रहता है। कैरम, शतरंज, बैडमिंटन, सभी उनके पसंदीदा खेल हैं।

ये समाज के वे चिराग हैं, जो रोज़ किसीके जीवन में, दिवाली लाने की क्षमता रखते है। ऐसे सारे चिरागों को हमारी ओर से शुभ दीपावली।

श्रीमती रजनी विजय थानवी
बोरीवली, मुंबई

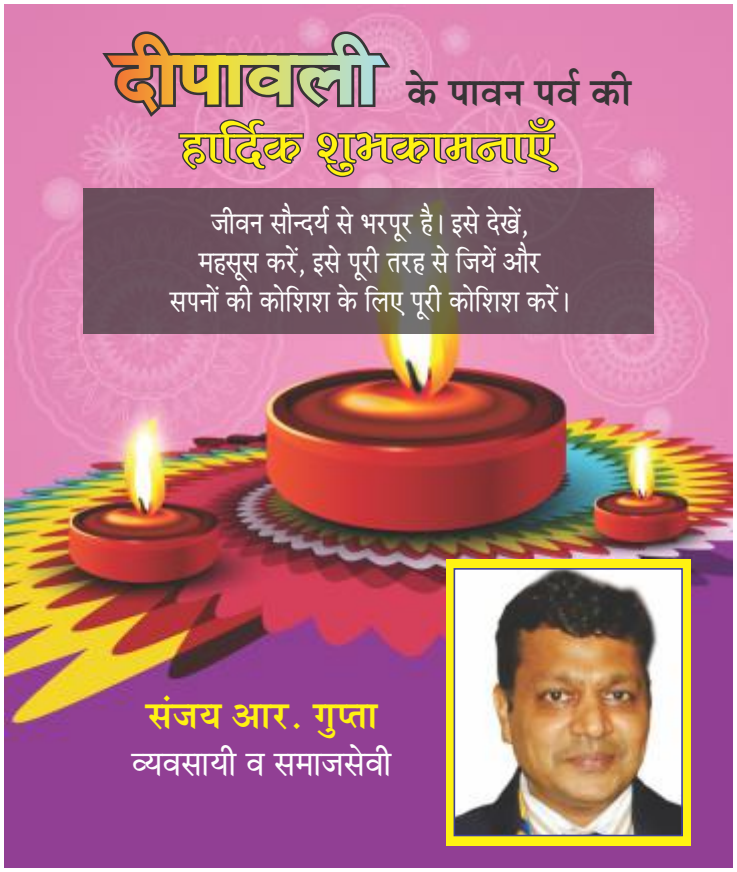

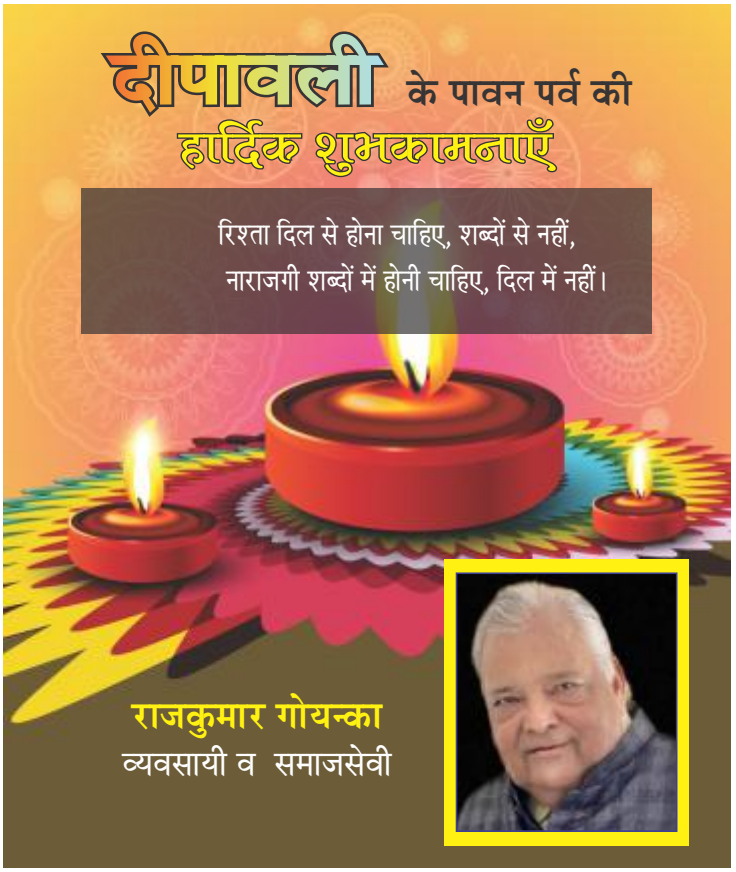

दिवाली का अनमोल उपहार

ओम अमीर मां बाप का बेटा था। उसमें दौलत का घमंड़ कूट कूट कर भरा हुआ था। वह सिर्फ अमीर बच्चों से दोस्ती करना पसंद करता था। गरीब बच्चों से सीधे मुंह बात नही करता था। वह गरीब बच्चों से हमेशा नफरत करता था। वह जिस स्कूल में पढ़ता था उस स्कूल में अमीर गरीब सब तरह के बच्चे पढ़ते थें। मगर ओम बस अमीर बच्चों के साथ स्कूल में बैठता था। ओम के स्कूल में यीशु वर्मा नाम का एक होनहार लड़का पढ़ता था। जो स्कूल में हर साल फस्ट आता था। वह गरीब घर का लड़का था। यीशु के नाम से ओम को बहुत जलन थी वह हमेशा यीशु को नीच दलित कह कर बुलाया करता था। मगर यीशु ओम के किसी बात का जवाब नही देता था। बल्की ओम की बात सुन कर हंसने लगता था। दीपावली बस आने वाली थी।

एक रोज ओम अपनी स्कूटी ले कर स्कूल से घर जा रहा था तभी रास्ते में एक कार वाले ने ओम स्कुटी को ठोकर मार दिया। ओम स्कुटी सहित दूर जा गिरा उसके सर से खून बहने लगा। कारवाला वहां से भाग गया। ओम को देखने वालों की भीड़ लग गई। मगर कोई ओम को अस्पताल ले जाने की बात नही कर रहा था। ओम दर्द से खूब रो रहा था। तभी यीशु पैदल वहां आ पहुंचा और सड़क पर गिरे अपने स्कूल के छात्र ओम को देख कर वह घबड़ा गया। उसने एक आटो को बुला कर उसमें ओम को बैठा कर असपताल की ओर चल दिया।

डाक्टर ने ओम की हालत देख कर तुरंत ऐमरजेन्सी वार्ड में भर्ती कर लिया। ओम की दवा दारू शुरू हो गई। इतने में यीशु ने ओम के पापा को फोन कर के अस्पताल बुला लिया। ओम की मम्मी भी आ आ गई। यीशु ने ओम के मम्मी पापा को सारी बात बता दी। अभी यीशु ओम के मम्मी पापा से बात ही कर रहा था कि ती डाक्टर ने आ कर बताया कि ओम के सर से काफी खून बह गया हे इसलिए एक पॉवंड़ खून की जरूरत है तभी ओम होश में आ सकता है। ओम के पापा ने डाक्टर से पूछा क्या अस्पताल के खून बैंक में खून नही है? खून तो है मगर उस ग्रुप का खून नही है जो चाहिए खून का जल्दी इंतजाम नही हुआ तो ओम कोमा में जा सकता है। डाक्टर की बात सुन कर यीशु बोला डाक्टर अंकल आप हमारा खून टेस्ट कर लिजिए क्या पता हमारा खून ओम के ग्रुप का हो। डाक्टर ने जब यीशु का खून चेक किया तो बोल पड़े तुम्हारा खून ओम का खून एक ही ग्रुप का है तुम अपना खून दे सकते हो।

यीशु ने खून दे कर ओम की जिन्दगी बचा लिया। इसके बदले ओम के पापा यीशु को दस हजार रूपया दे रहे थे जिसे यीशु ने लेने से इंकार कर दिया। तीन दिन बाद ओम अस्पताल से घर आया तो उसके मम्मी पापा ने यीशु की सारी कहानी ओम से कह सुनाई यीशु की कहानी सुन कर ओम के आंखो में आंसू आ गई। वह यीशु को तुरंत घर बुलाकर बोला यीशु आज मैं तुम्हारे कारण जिन्दा हूं। मैं तो तुम्हें हमेशा अपमानीत करता था. आज मैं तुमसे अपनी सारी गल्तीयों की हाथ जोड़ कर माफी मांगता हूं और वादा करता हूं आज से अपने मन से अमीर बाप का बेटा होने का घमंड़ कभी नही करूंगा। मैं अमीर गरीब सभी बच्चों से अब दोस्ती करूंगा। और हां हम इस साल दिवाली सभी गरीब बच्चों के साथ मनाउंगा। और सबको दिवाली पर ढेर सारी मिठाईयां खिलाउंगा। ओम की बात सुन कर यीशु खुशी से हंस पड़ा। जैसे उसे लगा दिवाली का अनमोल उपहार मिल गया हो।

बद्री प्रसाद वर्मा अनजान
गोरखपुर (उ०प्र०)

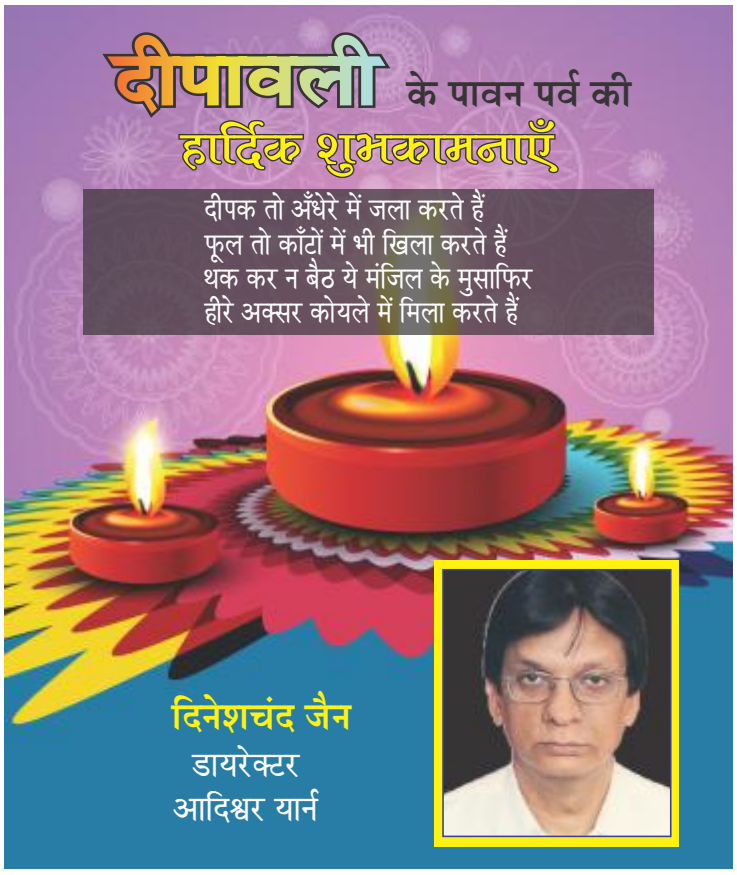
दीपावली के पावन पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएँ
दीपक तो अँधेरे में जला करते हैं
फूल तो काँटों में भी खिला करते हैं
थक कर न बैठ ये मंजिल के मुसाफिर
हीरे अक्सर कोयले में मिला करते हैं
दिनेशचंद जैन
डायरेक्टर
आदिश्वर यार्न

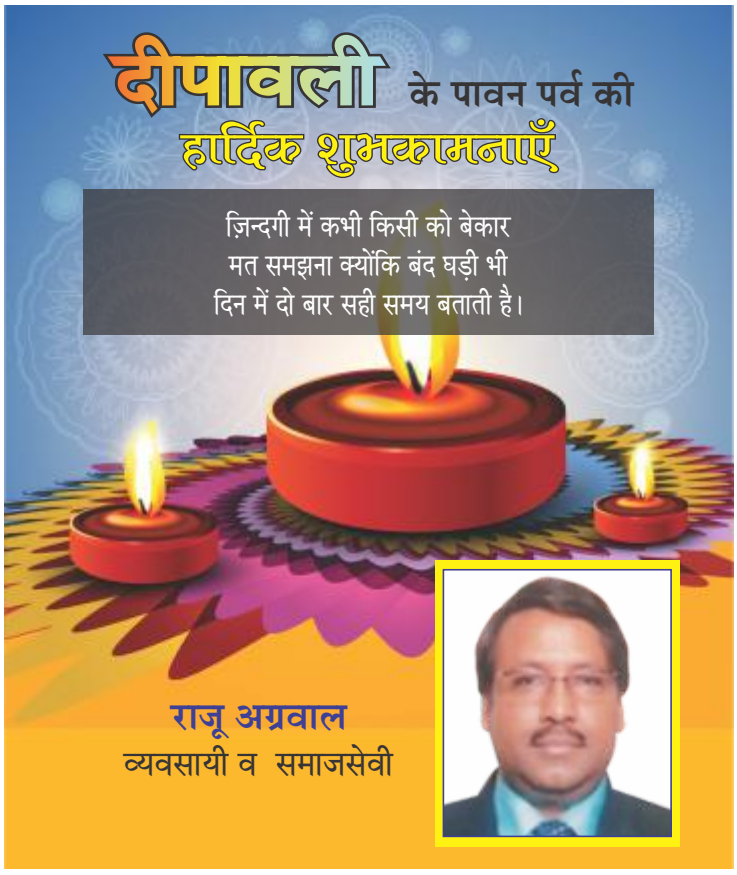

निशांत सिंह मलखानी ने शो में दिया श्रेष्ठ, फिर भी छोड़ना पड़ा घर

अभिनेता ने उसे सौंपे गए सभी कार्यों में अपना सर्वश्रेष्ठ दिया, चाहे वह बिकनी टॉप पहने, या सीनियर्स को लुभाने या अपने कपड़े वापस पाने के लिए धक-धक पर नृत्य किया और उन्होंने घर के सभी काम भी किए। कोई भी शिकायत नहीं की। यद्यपि अभिनेता को घर के बाहर अपने प्रशंसकों और फॉलोअर्स द्वारा बचाया गया था लेकिन घरवालों ने उनके खिलाफ वोट दिए और निशांत को घर छोड़ना पड़ा। गुड्डन-तुमसे ना होएगा अभिनेता को उनके अच्छे दोस्त जान कुमार सानू द्वारा रेड जोन में भेजे जाने के बाद यह दावा करते हुए नामित किया गया था कि वह पर्याप्त सहायक नहीं थे। खैर, दर्शकों ने पहले ही देख लिया है कि निशांत ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, लेकिन दुर्भाग्य से उन्हें घर में सबसे ज्यादा भरोसा रखने वाले एकमात्र व्यक्ति द्वारा विश्वासघात का सामना करना पड़ा।

तारे जमीन पर को होस्ट करेंगी सुगंधा मिश्रा

अपने मधुर गायन और धमाकेदार प्रस्तुतियों से टेलीविजन स्क्रीन पर राज करने के साथ लगभग एक दशक से अधिक समय तक दर्शकों का दिल जीतने वाली एक अनुभवी गायिका, हास्य कलाकार, टेलीविजन प्रस्तुतकर्ता सुगंधा मिश्रा ने एक बार फिर धमाकेदार वापसी की है। स्टार प्लस पर जल्द ही प्रस्तुत होने वाले तारे जमीन पर शो को आकर्षक, उत्साही और ऊर्जावान सुगंधा मिश्रा, प्रतिभावान आकृति शर्मा के साथ होस्ट करने वाली हैं। सुगंधा ने कई लोकप्रिय टीवी शो होस्त किए हैं और उनकी मिमिक्री और कॉमिक टाइमिंग के लिए उन्हें लाखों लोगों द्वारा पसंद किया जाता रहा है।

क्या है तहखाने से जुड़ा राज ?

एकता कपूर के शो नागिन ५ में नया ट्विस्ट आने वाला है। मेकर्स शो को एंटरटेनिंग बनाने के लिए नए-नए ट्विस्ट लेकर आ रहे हैं। सीरियल में अब बानी एक्शन अवतार में आने वाली है. साथ ही बानी के सामने एक नई चुनौती आने वाली है। बानी शो में अपना बदला लेती दिखेंगी। शो से जुड़ा एक प्रोमो वायरल हो रहा है। इस प्रोमो में बानी वीर के भाई को मारती दिख रही है। वो वीर के कजिन भाई को पानी में डूबोती दिख रही हैं और बोलती हैं- मैं तेरे पूरे खानदान में एक-एक से बदला लूंगी। इसके अलावा शो में एक नई एंट्री और होने जा रही है। सीरियल में एक तहखाने से जुड़ी एक नई मिस्ट्री देखने को मिलेगी। बानी नागिन बनकर उस राज की तहकीकात करेगी और तहखाने से जुड़े एक राज का पर्दाफाश करेगी।

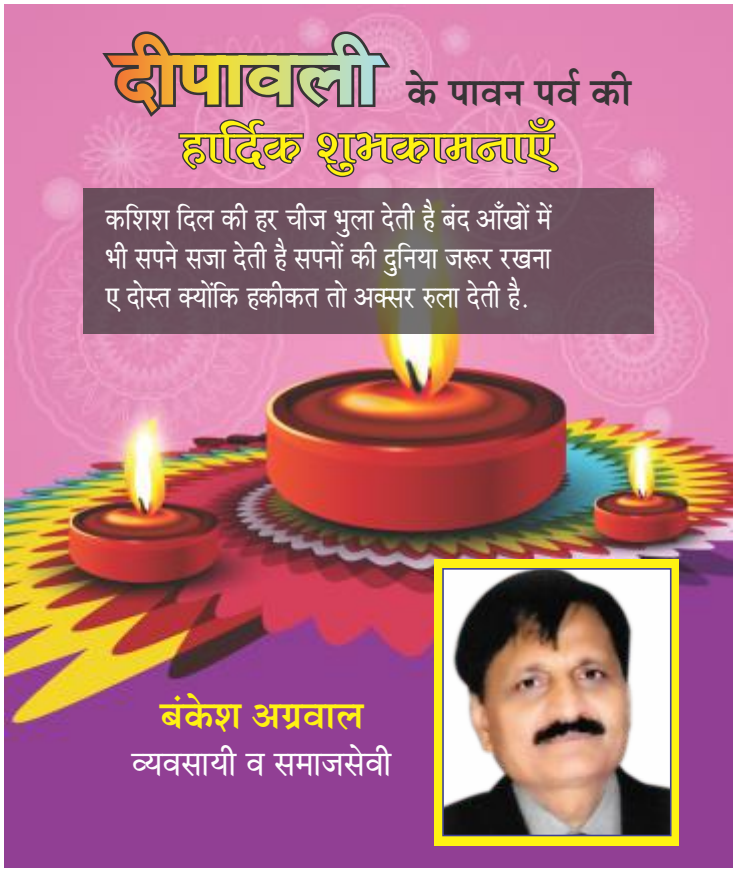
दीपावली के पावन पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएँ
कशिश दिल की हर चीज भुला देती है बंद आँखों में भी सपने सजा देती है सपनों की दुनिया जरूर रखना ए दोस्त क्योंकि हकीकत तो अक्सर रुला देती है.
बंकेश अग्रवाल
व्यवसायी व समाजसेवी

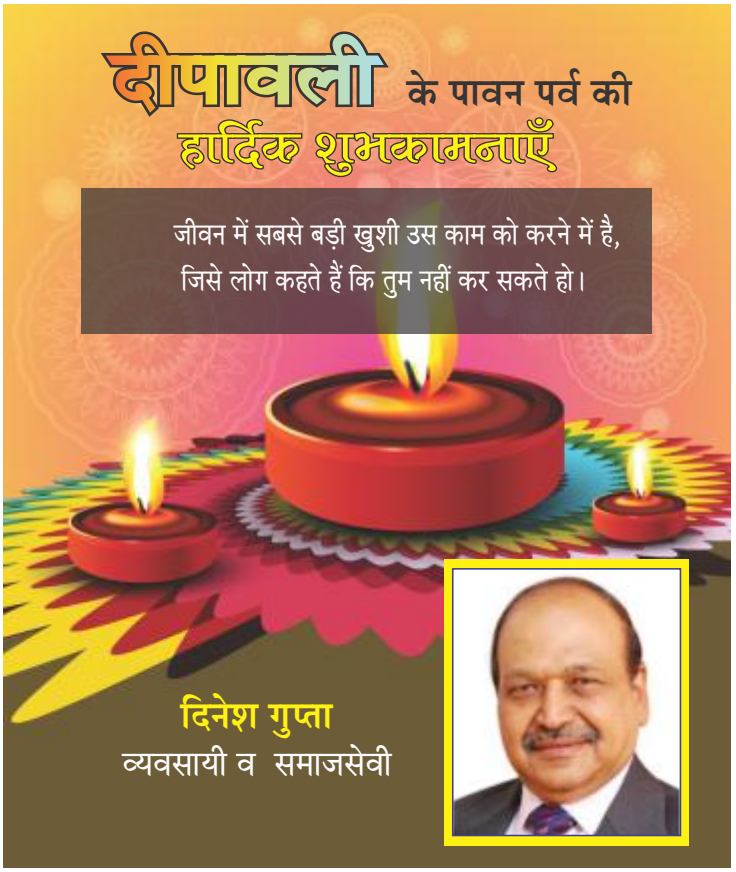

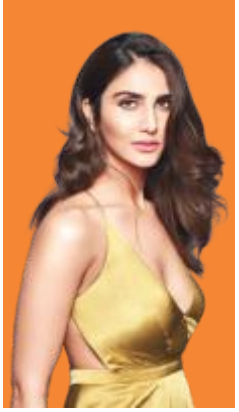

चंडीगढ़ करे आशिकी में वाणी कपूर निभाएंगी ट्रांसजेंडर का किरदार!

बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना और वाणी कपूर पिछले कुछ दिनों से अभिषेक कपूर के निर्देशन में बनने वाली फिल्म को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस फिल्म के टाइटल 'चंडीगढ़ करे आशिकी' का भी ऐलान कर दिया गया है। यह घोषणा करते हुए एक तस्वीर भी पोस्ट की गई थी, जिसमें आयुष्मान, वाणी और अभिषेक कपूर दिख रहे थे। अब फिल्म की कहानी को लेकर ऐसी जानकारी सामने आई है जिसके बाद दर्शकों की उत्सुकता काफी बढ़ जाएगी। जहां एक ओर आयुष्मान अपनी हर फिल्म में एक अलग कॉन्सेप्ट दर्शकों के सामने पेश करने के लिए जाने जाते हैं, वहीं इस बार खबर है कि उनकी फिल्म की लीड एक्ट्रेस को अलग अंदाज में देखा जाने वाला है। खबरों के अनुसार फिल्म में वाणी कपूर को एक ट्रांसजेंडर का किरदार निभाते हुए नजर आएंगी। हालांकि, उनकी इस भूमिका पर फिलहाल आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार फिल्म में आयुष्मान को एक क्रोस फंक्शनल एथलीट की भूमिका निभाते हुए देखा जाएगा। जो एक ट्रांसजेडर से बेहद प्यार करता है। इसी से अंदाजा लगाया जाने लगा है कि फिल्म में वाणी का किरदार ही ट्रांसजेंडर का हो सकता है।

सोनू सूद से मदद मांगने मीलों दूर से पहुंचे लोग

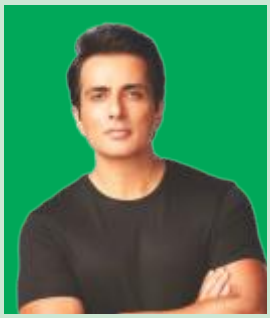

लॉकडाउन में जरुरतमंदों की मदद कर लोगों के दिलों में मसीहा का दर्जा हासिल करने वाले एक्टर सोनू सूद अभी भी अपना सेवाकार्य जारी रखे हैं। इन दिनों हैदराबाद में अपनी फिल्म की शूटिंग कर रहे सोनू यहां भी लोगों की मदद करने से पीछे नहीं हट रहे। लोग उनके पास अपनी समस्याओं का हल ढूंढने मीलों दूर से आ रहे हैं। उनके इस काम को देख साउथ मूवी डायरेक्टर रमेश बाला ने सोनू का एक वीडियो शेयर किया। रमेश बाला द्वारा शेयर इस वीडियो पर सोनू ने भी आभार जताया है। सोनू ने रमेश बाला के वीडियो को ट्वीट कर लिखा- कभी कभी भगवान इंसानों तक पहुंचने के लिए आपको दूत के तौर पर चुनते हैं। थैंक्यू रमेश सर इन प्रोत्साहन भरे शब्दों के लिए। रमेश बाला के जिस वीडियो को सोनू ने शेयर किया है उसमें सोनू लोगों की समस्या सुनते देखे जा सकते हैं. एक जगह एक व्यक्ति सोनू के पैर छूते भी देखा जा सकता है। इस वीडियो में पुरुष से लेकर महिला तक, हर कोई सोनू सूद के पास अपनी परेशानी लेकर आया है और सोनू बड़े नम्र भाव से सभी को सुन भी रहे हैं।

सर्कस के सेट पर जाने के लिए बेताब हूं-जैकलीन फर्नांडीज़

रोहित की प्रशंसा करते हुए जैकलीन कहती है, ऐसी फिल्में बनाना आसान नहीं है जो आपका मनोरंजन करे, आपको हँसाएँ और अच्छा महसूस कराएँ। रोहित शेट्टी ऐसे व्यक्ति है जिनका नाम मनोरंजक और कॉमर्शियल सिनेमा के बारे में सोचने पर सबसे पहले आता है। मैंने हमेशा उनकी फिल्मों को देखना एन्जॉय किया है और इसमें लगने वाली कड़ी मेहनत से पूरी तरह परिचित हूं। उनके साथ काम करने के लिए रोमांचित हूं और मैं उनके सेट पर जाने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूँ। जैकलीन जो खुद कड़ी मेहनत करने के लिए जानी जाती हैं, वह इस प्रोजेक्ट में दोगुनी मेहनत और मस्ती का डोज़ भरने के लिए तैयार हैं। सर्कस की शूटिंग जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है और अभिनेत्री इस पॉवर डायरेक्टर के साथ अपना जादू बिखरने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

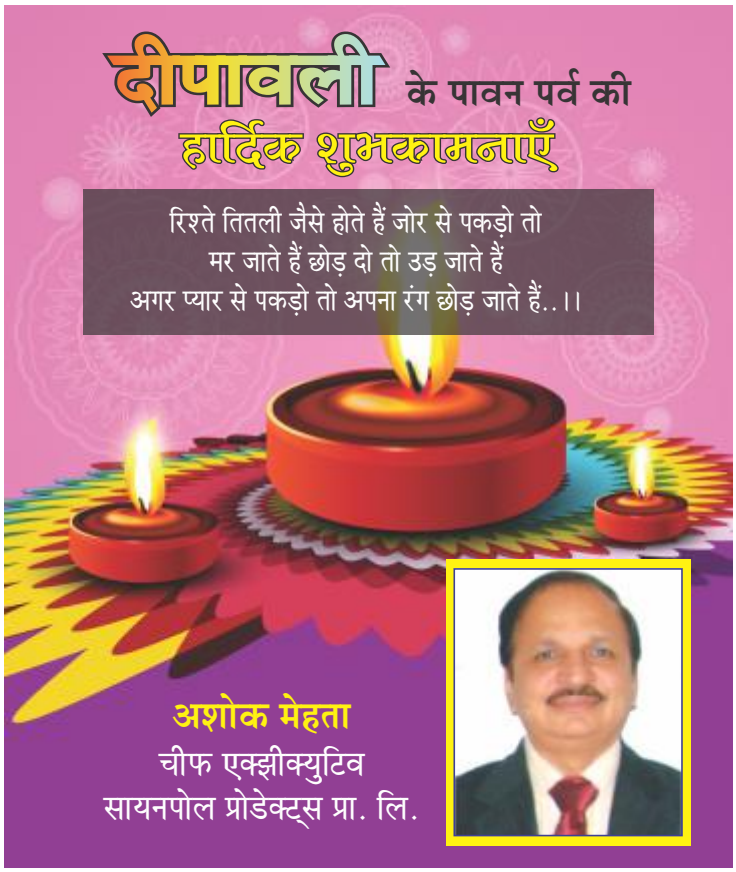
दीपावली के पावन पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएँ
रिश्ते तितली जैसे होते हैं जोर से पकड़ो तो
मर जाते हैं छोड़ दो तो उड़ जाते हैं
अगर प्यार से पकड़ो तो अपना रंग छोड़ जाते हैं..।।
अशोक मेहता
चीफ एक्झीक्युटिव
सायनपोल प्रोडेक्ट्स प्रा. लि.

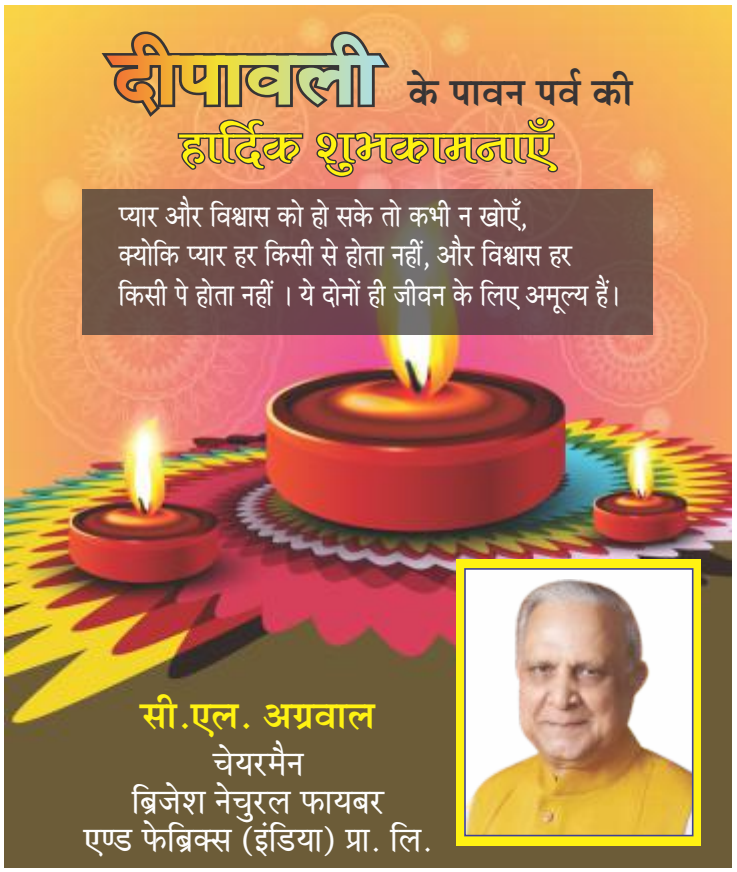
दीपावली के पावन पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएँ
प्यार और विश्वास को हो सके तो कभी न खोएँ,
क्योकि प्यार हर किसी से होता नहीं, और विश्वास हर
किसी पे होता नहीं । ये दोनों ही जीवन के लिए अमूल्य हैं।
सी.एल. अग्रवाल
चेयरमैन
ब्रिजेश नेचुरल फायबर
एण्ड फेब्रिक्स (इंडिया) प्रा. लि.

अमृता राव ने दिया बेटे को जन्म

बॉलीवुड एक्ट्रेस अमृता राव मां बन गई हैं। उन्होंने बेटे को जन्म दिया है। अमृता राव और उनके पति आरजे अनमोल के स्पोक पर्सन ने स्टेटमेंट जारी इस बात की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अमृता और आरजे अनमोल १ नवंबर को पेरेंट्स बने। मां और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। परिवार बहुत खुश है और अमृता एवं आरजे अनमोल दोनों ने सभी लोगों को उनकी शुभकामनाओं और आशीर्वाद के लिए धन्यवाद दिया। अमृता शादी के ४ साल बाद मां बनी है। अमृता ने २०१६ में अनमोल के साथ शादी की थी। अमृता राव इश्क विश्क, मैं हूं ना, और विवाह जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। उन्हें आखिरी बार २०१९ में आई फिल्म ठाकरे में देखा गया था। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अमृता ने कहा था कि वह मदरहुड पीरियड को लेकर नर्वस हैं। अमृता ने कहा- मैंने सुना है कि बेबीज में लगातार बदलाव आते रहते हैं। उनमें आप रोज एक नई चीज देखते हैं। हां, मैं मदरहुड के आइडिया को लेकर नर्वस महसूस कर रही हूं, लेकिन मैं उस कहावत में भरोसा रखती हूं- जब आप अपने बच्चे का चेहरा देखती हैं तो आपके अंदर की मां जाग जाती है। मैं बेबी के साथ दोस्ती करके लाइफ में उसके साथ आगे बढ़ना चाहती हूं।

डिजिटल डेब्यू करने जा रहीं सोनाक्षी सिन्हा

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा के फैंस काफी समय से उन्हें पर्दे पर दमदार अंदाज में देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, पिछले कुछ समय वह अपने डिजिटल डेब्यू को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। सोनाक्षी जल्द ही रीमा कागती के निर्देशन में बन रही वेब सीरीज 'फॉलेन"में नजर आने वाली हैं। सोनाक्षी सिन्हा इसकी शूटिंग के लिए भी वह पूरी तरह तैयार हैं। खबरों के अनुसार रीमा अपने इस प्रोजेक्ट को स्टार्ट टू फिनिश शेड्यूल में खत्म करने की योजना बना रही हैं। कहा जा रहा है कि लोकल प्रोडक्शन टीम राजस्थान लोकेशन की रेकी की है। इसके अलावा शूटिंग के लिए सभी जरूरी परमिशन भी ली जा चुकी है। बताया जा रहा है कि इस सीरीज की शूटिंग जनवरी में शुरू की जाएगी। जिसके लिए कुल ३५ लोगों की टीम तैयार हुई है। इस क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज में सोनाक्षी को एक पुलिस ऑफिसर के किरदार में दिखाई देने वाली हैं। जिसमें एक बार फिर से वह अपने दबंग अंदाज से दर्शकों का दिल जीतती दिखेंगी।

इब्राहिम का बॉलीवुड डेब्यू

एक्टर सैफ अली खान ने कड़ी मेहनत कर बॉलीवुड में अपनी अलग जगह बनाई है। अब उनके बेटे इब्राहिम अली खान भी अपने पिता के नक्शे कदमों पर चलने को एकदम तैयार दिख रहे हैं। स्पॉटबॉय के मुताबिक सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान अब अपना बॉलीवुड डेब्यू करने जा रहे हैं। खुद सैफ ने इस खबर पर मुहर लगाई और अपने बेटे का दिल खोलकर स्वागत किया है। सैफ के मुताबिक उनकी हमेशा से ये इच्छा रही है कि उनके बेटे इब्राहिम बॉलीवुड में एंट्री ले।

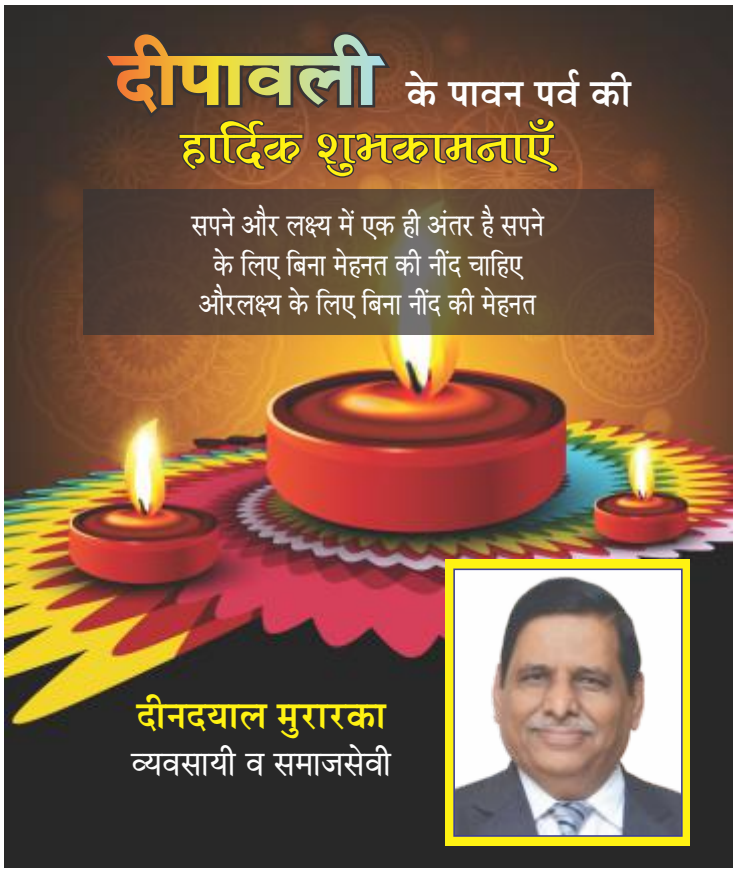

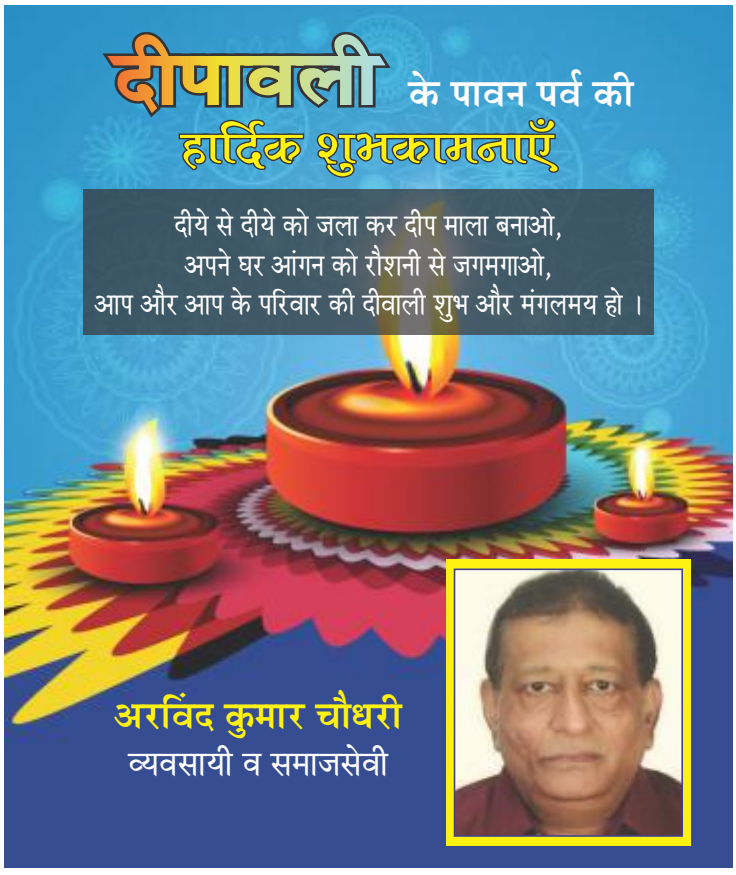
दीपावली के पावन पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएँ
दीये से दीये को जला कर दीप माला बनाओ,
अपने घर आंगन को रौशनी से जगमगाओ,
आप और आप के परिवार की दीवाली शुभ और मंगलमय हो ।
अरविंद कुमार चौधरी
व्यवसायी व समाजसेवी

Mozaic
DESIGN AMBIENCE

A platform for several styles (classical, contemporary, retro, etc..). Also furniture for children – young adults.

Mozaic is a 'one stop shop' for interior design solutions.

- FURNITURE
- ACCESSORIES
- LIGHTING
- WALL PAPER/ WALL ART
- ART
- STYLING SERVICES

77-A Victory Villa,Turner Road, Opp Axis Bank,
Bandra (West). Mumbai-4000-50
Tel:022-26404897/ 022-26403407
E-mail: info@mozaicthestore.com
www.mozaicthestore.com

Electroplast India Pvt. Ltd.

- "Electroplast India" is a manufacturing industry located in Daman (around 170 kms from Mumbai)
- Electroplast India is an **IMS certiÔed company** & is certified for :-
  - ISO 9001: 2015 (Quality standard)
  - ISO 14001 : 2015 (Environmental standard) &
  - OHSAS 18001 : 2007 (Employee Health & Safety standard)

- Electroplast India has 3 units located at below locations :-
  - Dabhel, Daman
  - Kachigam, Daman
  - Vapi, Gujarat (engaged into manufacturing of packaging / mono-boxes)
- We have below machines installed for injection & compression moulding including IML (In-mould label) set up for Ice-cream containers.
  - 36 nos Injection molding machines of various capacities ranging from 25T to 280T & a vast experience of polymer processing including engineering & non-engineering polymers.
  - Installed 9 nos Thermoset compression molding machines of 100 , 150T & 300T

Installed capacity for Fabrication – Sheet metal & Deep draw works. Installed Auto conveyor powder coating plant with 2 side spray booth, 14 tank Pre-treatment process & ETP set up with all pollution approvals. Motorized assembly lines for product assembly & packaging with shrink wrapping machines. Our sister concern Electropack, Vapi has been manufacturing mono-box, outer cartoons in Duplex / Kraft paper for various products including light fittings etc. We have been associated with OEM's supply for catering to their product requirement for past 20 yrs with prime focus on Quality & timely product delivery. Time & again, we have been recognized by our customers for prompt delivery & quality of material supplied from our side. Our major customers for supply of plastic components are L&T (Electrical & Swtich gear), Amul India Dairies located in Maharashtra / Gujarat, Zobele India, Philips India etc.

Electroplast

Electropack
A Division of Electroplast India Pvt. Ltd.

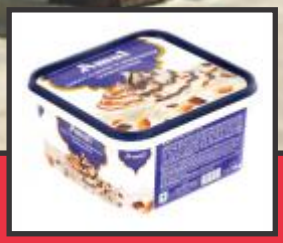

Address:
Electroplast India Pvt. Ltd.
Plot # 251/1, Opp. Dabhel Cricket Ground, Dabhel, Daman (U.T) – 396215 • Land Line :- 07203033843

Contact Person Details

Daman :
Mob. : 9377892900
Email ID : mgupta@electroplastindia.com

Mumbai :
Tel.: 022-29275901/02/03/04
Email ID : nitesh@electroplastindia.com

BEST ROADWAYS LIMITED

Mobilizing Your Growth

FTL I PORT TO CFS I ODC I WAREHOUSING

36 Hour Express Delivery

MUMBAI - DELHI - MUMBAI

Mumbai / JNPT & New Delhi / NCR region

WITH OUR OWN ISO CONTAINERISED FLEET

IDEAL FOR GOODS THAT NEED TO BE TRANSPORTED SAFELY & QUICKLY

- MEDICINES
- DELICATE DURABLES
- PAPER PRODUCTS
- FRAGILE GLASSWARE
- HOUSEHOLD GOODS
- OTHER HIGH WORTH GOODS

0 % CHANCES OF DAMAGE, DENTS, WETNESS, PILFERAGE, LEAKAGE OR THEFT

- LARGE VOLUMES CAN BE ACCOMMODATED

Customs Bonded Warehouse Facility Available

Contact: Mr. Ashwani Cell: 09594937777 bondedwarehouse@brl.in

Corporate Office:
5th Floor, C Wing, Pramukh Plaza,
Cardinal Gracious Rd, Andheri East,
Mumbai, Maharashtra 400099.
Email:mumbai@bestroadways.com
Tel No: 022 - 23777777
Fax No: 022 - 23777778

Registered Office:
BEST HOUSE, XX-118/1,Najafgarh Road,
Near Swantra Bharat Mill Main Gate,
New Delhi 100036.
Email:delhi@bestroadways.com
Tel No: 011 - 45377777
Fax No: 011 - 45377778

JNPT Office:
BEST HOUSE, Plot No.30A & 30B
Sector-2, Opp.APM Terminal, DRONAGIRI
Navi Mumbai - 400707.
Email:info@bestroadways.com
Tel No: 022 - 27247777
Fax No: 022 - 27243077 / 3177

UNSAME

Celebrate **Diwali** with
great designs & inspiring shades

Durian®
SINCE 1985

- VENEER
- DOOR & DOOR FRAMES
- PLYWOOD
- LAMINATES
- HOME & OFFICE FURNITURE
- TURNKEY PROJECTS

7+ Manufacturing units

Pan India Reach

White Glove Delivery

CORPORATE OFFICE: 401, The Summit, Hanuman Road, W.E. Highway, Vile Parle (E), Mumbai - 400057. Tel.: (022) 26269000 • E-mail: info@durian.in, customersupport@durian.in

✆ **1800 22 3242** | **Shop now at durian.in**